मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 8 अंक 64
शुक्रवार, 12 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भारत और मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं, परिवार है : पीएम मोदी

◆भारत : मॉरीशस के बीच 7 करार, लगभग 680 मिलियन डॉलर का विशेष पैकेज

◆चागोस विवाद पर भारत : मॉरीशस की साझी पहल हिंद महासागर में नई कूटनीतिक हलचल का संकेत देती है

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक धरती गुरुवार को भारत : मॉरीशस रिश्तों की नई गवाही बनी। हिद महासागर की रणनीतिक धुरी पर भारत और मॉरीशस के रिश्तों ने वाराणसी में नया अध्याय लिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने नदेसर स्थित होटल ताज में उच्चस्तरीय द्विपक्षीय वार्ता की। लगभग एक घंटे चली उच्चस्तरीय वार्ता में दोनों देशों ने आर्थिक, सांस्कृतिक और सामरिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले सात प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

इसके अलावा सबसे अहम चागोस द्वीप समूह और डिएगो गार्सिया जैसे संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी खुलकर चर्चा की गई, जो अमेरिका और ब्रिटेन से जुड़ा संवेदनशील विवाद है। खास यह है कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री रामगुलाम ने बैठक में डिएगो गार्सिया सहित पूरे चागोस द्वीप समूह पर चर्चा उठाई। इस मसले पर भारत और मॉरीशस का साझा दृष्टिकोण अमेरिका और ब्रिटेन के लिए नई कूटनीतिक चुनौती बन सकता है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस को भारत का परिवार बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध और मजबूत होंगे। वाराणसी में हुए ये समझौते हिंद महासागर क्षेत्र में भारत और मॉरीशस की रणनीतिक साझेदारी को नई ऊर्जा देंगे। पीएम मोदी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री को हाल ही में संपन्न चागोस समझौते पर बधाई दी और कहा, यह मॉरीशस की संप्रभुता की ऐतिहासिक जीत है। भारत ने हमेशा उपनिवेशवाद के विरोध और मॉरीशस की संप्रभुता की पूर्ण मान्यता का समर्थन किया है। और इसमें भारत, मॉरीशस के साथ दृढ़ता से खड़ा है। अपने संसदीय क्षेत्र में अतिथि का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक है। हमारी संस्कृति और संस्कार सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुँचे और वहां की जीवन-पद्धति में रच-बस गए। काशी में मां गंगा की अविरल धारा की तरह भारतीय संस्कृति का प्रवाह मॉरीशस को समृद्ध करता रहा है। इसलिए मैं गर्व से कहता हूं कि भारत और मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं, बल्कि एक परिवार हैं। पीएम मोदी वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री

नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि भारत ने मॉरीशस की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष आर्थिक पैकेज का निर्णय लिया है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगा, नए रोजगार सृजित करेगा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के बाहर पहला जन औषधि केंद्र अब मॉरीशस में स्थापित हो चुका है। पीएम मोदी ने सर शिवसागर रामगुलाम की 125वीं जयंती का उल्लेख करते हुए कहा कि वे सिर्फ मॉरीशस के राष्ट्रपिता ही नहीं, बल्कि भारत-मॉरीशस संबंधों के अटूट सेतु के संस्थापक थे।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले साल मॉरीशस में यूपीआई और रूपे कार्ड की शुरूआत हुई थी. अब हम लोकल करंसी में व्यापार को सक्षम करने की दिशा में काम करेंगे. प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि भारत के आईआईटी मद्रास और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट ने यूनिवर्सिटी ऑफ मॉरीशस के साथ समझौते संपन्न किए हैं. ये समझौते रिसर्च, शिक्षा और इनोवेशन में आपसी साझेदारी को नए पायदान पर ले जाएंगे. मॉरीशस के प्रधानमंत्री को भरोसा देते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, फ्री, ओपन, सिक्योर, स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर हमारी साझा प्राथमिकता है. इस संदर्भ में मॉरीशस के प्रमुख आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा और समुद्री क्षमता को मजबूत करने के लिए भारत पूरी तरह प्रतिबद्ध है. संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मॉरीशस, भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति और विजन महासागर का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है. हमेशा मॉरीशस की संप्रभुता की पूर्ण मान्यता का समर्थन किया है. इसमें भारत, मॉरीशस के साथ दृढ़ता से साथ खड़ा रहा है. उन्होंने कहा कि मॉरीशस के विकास में एक विश्वसनीय और प्राथमिक साझेदार होना भारत के लिए गर्व की बात है. डॉ. रामगुलाम ने बैठक में डिएगो गार्सिया सहित पूरे चागोस द्वीप समूह पर भारत से सहयोग पर चर्चा की। कूटनीतिक हलकों में इसे अमेरिका और ब्रिटेन के लिए नई चुनौती माना जा रहा है। प्रधानमंत्री रामगुलाम ने काशी में मिले सम्मान और आतिथ्य के लिए आभार जताते हुए कहा, वाराणसी पहुंचते ही मुझे और मेरी पत्नी को जो स्वागत मिला, उससे हम दोनों आश्चर्यचकित रह गए। यह भारत की मेरी चौथी आधिकारिक यात्रा है, लेकिन ऐसा गर्मजोशी भरा स्वागत पहले कभी नहीं मिला।

महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से राधाकृष्णन का इस्तीफा, अब आचार्य देवव्रत संभालेंगे अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को सी.पी. राधाकृष्णन के भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने के कारण अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त महाराष्ट्र का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे सीपी राधाकृष्णन 9 सितंबर को भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित हुए। उन्होंने इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को 452-300 मतों से हराया। सीपी राधाकृष्णन भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा भारत के दूसरे सबसे बड़े संसदीय पद के लिए

चुने गए थे, और अंततः उपराष्ट्रपति चुनाव में विजयी हुए।

उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद, सीपी राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद छोड़ दिया है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को अब अपने कर्तव्यों के साथ-साथ महाराष्ट्र का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है। गुजरात के राज्यपाल बनने से पहले, देवव्रत अगस्त 2015 से जुलाई 2019 तक हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल भी रह चुके हैं। उन्होंने जुलाई 2019 से गुजरात के राज्यपाल के रूप में कार्य करना शुरू किया। भारत के राष्ट्रीय पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, देवव्रत की कई शैक्षणिक योग्यताओं में इतिहास और हिंदी में स्नातकोत्तर, शिक्षा में स्नातक और योग विज्ञान में डिप्लोमा शामिल हैं।

आपदाग्रस्त उत्तराखंड पहुंचे पीएम मोदी, 1200 करोड़ के राहत पैकेज का ऐलान

उत्तराखंड, 11 सितम्बर। प्रधानमंत्री मोदी ने 11 सितंबर 2025 को देहरादून का दौरा किया और उत्तराखंड के प्रभावित क्षेत्रों में बादल फटने, बारिश और भूस्खलन से हुई बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा की। पीएमओ ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के बाढ़ और बारिश प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण अनाथ हुए बच्चों के लिए पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत व्यापक सहायता की घोषणा

की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड में बाढ़ की स्थिति पर एक प्रस्तुति देखते हुए। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उनके साथ रहे। केदारनाथ त्रासदी के बाद से, इस वर्ष राज्य में सबसे अधिक आपदाएँ आई हैं, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कई गाँव बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जहाँ न केवल लोगों की जान गई है, बल्कि पशुधन भी हताहत हुए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मॉरीशस के अपने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ अपनी बैठकें समाप्त करने के बाद देहरादून पहुँचे। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की और कई दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया। बुधवार को, मुख्यमंत्री धामी ने अंतर-मंत्रालयी दल से मुलाकात की, जिसने उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल, चमोली, बागेश्वर और नैनीताल जिलों में हुए नुकसान का आकलन किया।

दल का नेतृत्व गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव आर. प्रसन्ना ने किया। दल ने आपदा प्रभावित लोगों से प्राप्त प्रतिक्रिया साझा की और राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने राहत शिविरों में आश्रय और भोजन की व्यवस्था, मौके पर चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता और प्रभावित लोगों को प्रदान की जाने वाली अन्य आवश्यक सेवाओं की सराहना की। केंद्रीय टीम ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मृतक व्यक्तियों के परिवारों और जिनके घर नष्ट हो गए थे।

कासरगोड में बूम लिफ्ट क्रेन से गिरकर दो मजदूरों की मौत

केरल। केरल के कासरगोड जिले के मोगरलपुथुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर बृहस्पतिवार दोपहर स्ट्रीट लैंप की बंद लाइटें बदलते समय बूम लिफ्ट क्रेन से गिरकर दो श्रमिकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

मृतकों की पहचान अक्षय (30) और अश्विन (26) के रूप में हुई है। दोनों कोझीकोड जिले के वडकारा के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि वे वडकारा स्थित राजमार्ग निर्माण कार्य का ठेका लेने वाली एक कंपनी में कार्यरत थे।

हादसा उस समय हुआ जब जिस बूम लिफ्ट पर दोनों खड़े थे, उसका एक हिस्सा टूट गया जिससे दोनों काफी ऊंचाई से गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

भाजपा को दिया हर वोट केरल की पवित्रता खत्म कर देगाः सीएम विजयन

केरल, 11 सितम्बर। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राज्य के लोगों से भाजपा का समर्थन करने के निहितार्थों को समझने की अपील की है और कहा है कि भाजपा को दिया गया एक-एक वोट राज्य की पवित्रता को नष्ट कर देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य के प्रतिष्ठित ओणम त्योहार से जुड़ी सांस्कृतिक परंपराओं को बदलने की कोशिश कर रही है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मुख्यमंत्री विजयन ने उन्हें दिखाई गई एक

तस्वीर पर चिंता व्यक्त की, जिसमें महाविष्णु, वामन और महाबली को इस तरह से दर्शाया गया है जिससे ओणम की पारंपरिक कथा में बदलाव का आभास होता है, जहाँ महाबली के आगमन का जश्न मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों एनार्कुलम में एक कार्यक्रम हुआ था जिसमें गृह मंत्री अमित शाह ने शिरकत की थी। पिछले हफ़्ते ओणम का जश्न बहुत धूमधाम से मनाया गया था। वे ओणम को ही बदल देंगे। ओणम के दिन, एक महत्वपूर्ण व्यक्ति मुझसे मिलने आया था। मैं नाम नहीं लूँगा। उसने मुझे अपने फोन पर एक संदेश दिखाया। उसने एक तस्वीर दिखाई जिसमें महाविष्णु थे। महाविष्णु के सामने वामन हैं, और वामन के चरणों में महाबली दिखाई दे रहे हैं। इसका मतलब है कि वे ओणम को बदलना चाहते हैं जिस दौरान महाबली आते हैं।

मुख्यमंत्री विजयन ने लोगों से भाजपा का समर्थन न करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि वे आज हम जो कुछ भी अनुभव करते हैं उसे पुराने जमाने में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए न केवल राजनेताओं को, बल्कि राज्य के हर व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि भाजपा को दिया गया हर वोट केरल की पवित्रता को नष्ट कर देगा। केरल में फसल कटाई और राजा महाबली के घर वापसी से जुड़ा त्योहार ओणम विभिन्न अनुष्ठानों के साथ मनाया जाता है। इस अवसर पर लोग सुबह से ही मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए उमड़ पड़े। इस वर्ष, ओणम उत्सव 26 अगस्त से शुरू हुआ और आज केरल में इस त्योहार का समापन दिवस, थिरुवोनम मनाया जा रहा है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को फोर्टिस अस्पताल से मिली छुट्टी, 7 दिन बाद लौटे आवास

पंजाब। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मोहाली के फोर्टिस अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। वे थकान और कम हृदय गति की शिकायत के बाद कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती थे, जिससे राज्य में राजनीतिक हलकों में उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं। मुख्यमंत्री का स्वास्थ्य अब स्थिर बताया गया है और वे अपने सरकारी आवास लौट रहे हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मोहाली के फोर्टिस अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, जहाँ वे पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भर्ती थे। डॉक्टरों के अनुसार, मुख्यमंत्री मान को आज शाम लगभग 4:30 बजे अस्पताल से छुट्टी मिल गई। उनके सीधे चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास जाने की उम्मीद है।

भगवंत मान को शुक्रवार शाम थकान और कम हृदय गति की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। बयान में कहा गया है कि 51 वर्षीय मान के स्वास्थ्य की जाँच की गई और उनकी हालत स्थिर हो गई थी।

भारतीय दिल खतरे में, एक गंभीर चुनौती की टंकार

-ललित गर्ग

आधुनिक युग को यदि सुविधाओं और संसाधनों का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी, लेकिन इन सुविधाओं और विलासिताओं की कीमत भी समाज को चुकानी पड़ रही है। मशीनों और तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, परंतु इसके साथ ही ऐसी अनेक जीवनशैली-जनित बीमारियों को जन्म दिया है जो पहले दुर्लभ थीं। इन बीमारियों में सबसे बड़ी और भयावह बीमारी है-दिल का रोग। दिल की बीमारियाँ आज विश्व में असमय मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन चुकी हैं और भारत भी इससे अछूता नहीं है। हाल ही में जारी कॉजेज ऑफ डेथ इन इंडिया 2021-23 की रिपोर्ट इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट करती है। पहले जहाँ माना जाता था कि हृदय रोग और दिल के दौरे बुजुर्गों की बीमारी है, वहीं अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में हृदयाघात से होने वाली मौतें तेजी से बढ़ रही हैं। यानी युवाओं में दिल का दौरा अब असामान्य नहीं, बल्कि आम होता जा रहा है। यह न केवल चिकित्सा जगत के लिए चिंता का विषय है बल्कि समाज और परिवार के लिए भी गहरी चिंता का कारण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में हृदय रोगों के कारण विश्वभर में लगभग 1.8 करोड़ लोगों की मृत्यु हुई। यह आंकड़ा किसी भी अन्य बीमारी से कहीं अधिक है। अकेले भारत में प्रतिवर्ष लगभग 28 प्रतिशत मौतें हृदय रोगों से होती हैं। इसका अर्थ यह है कि हर चौथा भारतीय हृदयाघात या उससे जुड़ी बीमारी का शिकार होकर अकाल मृत्यु का सामना कर रहा है। शहरी क्षेत्रों में यह दर और भी अधिक है क्योंकि वहाँ तनाव, प्रदूषण, अस्वस्थ भोजन और व्यायाम की कमी का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं ज्यादा है। विशेष चिंता की बात यह है कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक दिल के दौरे 40 वर्ष से कम आयु में आ

रहे हैं। यह आंकड़ा अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों से कहीं अधिक है, जहाँ यह दर 10 से 15 प्रतिशत के बीच है। इस तथ्य से स्पष्ट है कि भारतीय युवा पीढ़ी का हृदय पहले से कहीं अधिक असुरक्षित एवं खतरे में है। नमूना पंजीयन सर्वेक्षण के नए आंकड़े विशेषकर दिल के प्रति सजग रहने की वकालत करते हैं। भारत में सबसे अधिक करीब 31 फीसदी मौतें दिल की बीमारियों के कारण होती हैं। यदि हम यहां पर भारत में मोटापे की राष्ट्रीय स्थिति की बात करें तो भारत में मोटापे की औसत दर लगभग 40.3 प्रतिशत है, जिसमें महिलाओं में यह दर 41.88 प्रतिशत और पुरुषों में 38.67 प्रतिशत है। शहरी क्षेत्रों में यह दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। आंकड़े बताते हैं कि पुडुचेरी, चंडीगढ़, और दिल्ली जैसे राज्यों में मोटापे की दर उच्चतम है। भारत में सबसे अधिक करीब 31 फीसदी मौतें दिल की बीमारियों के कारण होती हैं। सर्वेक्षण में यह पता चला है कि 30 से अधिक उम्र वाले लोगों में मौत की सबसे बड़ी वजह यही है। देश के 28 राज्यों और आठ केंद्रशासित क्षेत्रों में करीब 88 लाख लोगों पर किए गए इस सर्वेक्षण से यह पता लगाने की कोशिश की गई थी कि भारत में मौत की वजह क्या है और किस बीमारी से कितनी जान जा रही है? एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2021 में कोविड-19 महामारी के कारण मृत्यु दर में वृद्धि हुई। हालांकि, 2022 और 2023 में स्थिति में सुधार देखा गया, लेकिन महामारी के प्रभाव से उत्पन्न स्वास्थ्य संकटों का असर अभी भी महसूस किया जा रहा है।

दिल की बीमारियों की बढ़ती प्रवृत्ति को केवल चिकित्सा या आनुवंशिक कारणों से नहीं समझा जा सकता। इसके पीछे कई सामाजिक, आर्थिक और जीवनशैली संबंधी कारण हैं। आज का युवा वर्ग फास्ट फूड, जंक फूड और प्रोसेस्ड भोजन पर अधिक निर्भर है। इसमें उच्च मात्रा में तेल, नमक और चीनी होती है, जो हृदय की धमनियों को अवरुद्ध कर देती है। पारंपरिक संतुलित आहार जिसमें दाल, सब्जियां, अनाज और फल शामिल थे, अब जीवन से गायब होते जा रहे हैं। आधुनिक जीवन की दौड़-भाग, नौकरी और कैरियर की अनिश्चितता, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाएँ युवाओं को लगातार मानसिक तनाव में रखती हैं। तनाव से हार्मोनल असंतुलन होता है और यह हृदय की धड़कन तथा रक्तचाप को प्रभावित करता है। धूम्रपान, शराब और अन्य नशे की वस्तुएँ दिल की बीमारी के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। धूम्रपान से रक्त नलिकाएँ सिकुड़ जाती हैं और धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। यही स्थिति शराब और ड्रग्स से भी उत्पन्न होती है।

शहरी जीवनशैली ने युवाओं को गतिहीन बना दिया है। दिनभर दफ्तर या कंप्यूटर पर बैठकर काम करने से शारीरिक गतिविधियाँ नगण्य हो जाती हैं। मोटापा, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज इसी निष्क्रिय जीवनशैली की उपज हैं और ये तीनों मिलकर दिल की बीमारी का बड़ा खतरा पैदा करते हैं। महानगरों की हवा में जहरीले कणों की बढ़ती मात्रा भी दिल की धड़कन और श्वसन तंत्र को प्रभावित करती है। अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि प्रदूषण से हृदयाघात की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। जिन परिवारों में पहले से दिल की बीमारियाँ रही हैं, उनमें यह जोखिम अधिक रहता है। लेकिन पहले केवल यही एक बड़ा कारण माना जाता था, जबकि अब जीवनशैली के कारक अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं। दिल की बीमारियाँ केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य की समस्या नहीं हैं, बल्कि इसके व्यापक सामाजिक और आर्थिक परिणाम हैं। जब कोई 30 या 40 वर्ष का युवा अचानक दिल का शिकार होकर मर जाता है तो उसके परिवार की आर्थिक रीढ़ टूट जाती है। भारत जैसे विकासशील देश में जहाँ युवाओं को सबसे बड़ी पूंजी और शक्ति माना जाता है, वहाँ उनका इस प्रकार बीमार होना राष्ट्र के भविष्य को भी खतरे में डालता है।

दिल की बीमारियों से बचाव संभव है, यदि समाज और व्यक्ति दोनों ही स्तर पर गंभीर प्रयास किए जाएँ। भोजन में ताजे फल, हरी सब्जियाँ, साबुत अनाज, दालें और कम वसा वाला भोजन शामिल किया जाए। नमक, चीनी और तैलीय भोजन का सेवन सीमित किया जाए। प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट पैदल चलना, योग, प्राणायाम और हल्की कसरत को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। ध्यान, मेडिटेशन और समय प्रबंधन की आदतें तनाव को कम कर सकती हैं। धूम्रपान, शराब और अन्य नशों से दूर रहना हृदय को सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी कुंजी है। ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की समय-समय पर जांच से बीमारी का प्रारंभिक चरण में पता लग सकता है। सरकार, सामाजिक संस्थाएँ और चिकित्सा जगत को मिलकर दिल की बीमारियों के प्रति जनजागरण अभियान चलाना चाहिए।

दिल की बीमारी आज ह्यसाइलेंट किलरह्व बन चुकी है। यह अचानक प्रकट होकर जीवन को समाप्त कर देती है। लेकिन यह पूरी तरह अनियंत्रित नहीं है। यदि हम अपने जीवन में अनुशासन, संतुलन और संयम को स्थान दें, तो हृदय रोग से बड़ी हद तक बचा जा सकता है। कॉजेज ऑफ डेथ इन इंडिया 2021-23 की रिपोर्ट केवल एक चेतावनी है कि अब समय आ गया है जब समाज और व्यक्ति दोनों को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा। यह केवल चिकित्सकों या अस्पतालों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की अपनी जिम्मेदारी है कि वह अपने दिल को स्वस्थ रखने के लिए सजग और सतर्क रहे। दिल की धड़कनें जीवन का संगीत हैं, इन्हें समय से पहले मौन होने से बचाना ही आज की सबसे बड़ी चुनौती है।

भारत की चिकित्सा स्थितियां एवं सेवाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां सुधर रही हैं, वहीं स्वास्थ्य-स्थितियां नई-नई चुनौतियां लेकर खड़ी हो जाती है। इसलिये चिकित्सा-स्थितियों के साथ-साथ स्वास्थ्य-स्थितियों में सुधार की तीव्रता से अपेक्षा है। भारत में स्वास्थ्य-क्रांति का शंखनाद हो, यह व्यक्तियों को स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करें, सरकारों को स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे और संसाधनों में निवेश करने के लिए प्रेरित करें और स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों को उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करे।

बिहार में चुनाव पूर्व बढ़ता हिंसा का दौर का है पुराना इतिहास

अशोक भाटिया

हाल ही में पटना में आरजेडी नेता की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र के कॉलेज ऑफ कॉमर्स के पास की है। मृतक की पहचान राज कुमार उर्फ आला राय के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार मृतक जमीन कारोबार से भी जुड़ा था। इसके साथ ही वो इस दफा राघोपुर से चुनाव लड़ने की भी तैयारी कर रहा था। इससे पहले उसकी बुधवार की रात में उसकी हत्या कर दी गई। इसी कारण इस हत्या को भी आगामी चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है।

गौरतलब है कि आज तक बिहार विधानसभा चुनाव का नाम सुनते ही राजनीति की गूंज और जातीय समीकरण की गहराई याद आने के साथ एक और चीज सामने आती है। वह है, चुनावी हिंसा। यहां चुनाव सिर्फ मतपत्र का उत्सव नहीं बल्कि लाशों की लंबी कतार और बंदूक की गूंज भी है। साल 1947 से लेकर आज तक बिहार में शायद ही कोई चुनाव ऐसा बीता हो, जब खून न बहा हो देश की आजादी के बाद बिहार पहली बार चुनाव 1951-52 में हुए थे। उस समय हिंसक घटनाएं नहीं हुई थीं। बिहार में शांतिपूर्ण चुनाव का दौर 1968 बना रहा है। उसके बाद हर चुनाव में हिंसक घटनाओं के साथ लोगों की हत्याएं हुईं।

बिहार में राजनीतिक हत्या की पहली घटना 1965 में हुई थी। उस समय कांग्रेस से पूर्व विधायक शक्ति कुमार की हत्या कर दी गई थी। विधायक की हत्या के बाद उनका शव तक नहीं मिला था। शक्ति कुमार दक्षिणी गया से विधायक रहे थे। शक्ति कुमार की हत्या के बाद 1972 में भाकपा विधायक मंजूर हसन की हत्या उनके फ्लैट में कर दी गई थी। 1978 में भाकपा के ही सीताराम मीर को भी मार दिया गया। 1984 में कांग्रेस के नगीना सिंह की हत्या हो गई। टीओईआई के अनुसार बिहार विधानसभा में हिंसक घटनाओं की बात करें तो साल 1969 में पहली बार चुनाव चार लोग मारे गए, 1977 में 28, 1980 में 38, 1985 में 69, 1990 में 67, 1995 में 54, 2000 में 61, फरवरी 2005 में पांच और अक्टूबर-नवंबर 2005 के विधानसभा चुनावों में 27 लोग मारे गए। सबसे ज्यादा लोग 1985 के चुनाव में मारे गए थे।

साल 2005 के बाद चुनाव आयोग की सख्ती के कारण चुनावी बिहार में हिंसक घटनाओं में कमी आई और इनमें मरने वालों की संख्या भी काफी हद तक कम हो गई। फरवरी और अक्टूबर 2005 के चुनाव में 17 मौतें हुई थीं। साल 2010 में 5 लोगों की मौत हुई थी। साल 2015 में किसी की मौत नहीं हुई, जबकि इस चुनाव में बिहारियों के डीएनए तक का मुद्दा उठा था।

आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि 1990 और 2004 के बीच कुल नौ चुनावों के दौरान चुनाव संबंधी हिंसा में 641 लोगों की जान चली गई। इसमें से 196 लोगों की मौत केवल 2001 में पंचायत चुनावों के दौरान हुई थी, जो बिहार में 23 साल के लंबे अंतराल के बाद हुए थे। 2004 के लोकसभा चुनाव में कुल 28 लोगों की जान चली गई थी। ये सभी लोग या तो चुनाव के दौरान मारे गए, या चुनाव के दिन ही, या कई मामलों में, यहां तक कि किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव समाप्त होने के बाद भी। कानून व्यवस्था ने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था।

आइए इन आंकड़ों की तुलना 2009 और 2014 के लोकसभा चुनावों और 2005, 2010 और 2015 के विधानसभा चुनावों से करें। उपर्युक्त दो लोकसभा चुनावों में आठ और उपरोक्त तीन विधानसभा चुनावों में कुल सात लोगों की मौत हुई थी। 2015 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में इस तरह की घटनाओं में एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई थी। यह चमत्कारी लगता है, लेकिन एक सच्चाई है।

सैकड़ों अपराध सिर्फ एक उद्देश्य, बूथ लूट के इर्द-गिर्द घूमते थे। यह प्रथा 1927 से चली आ रही है, जब जिला बोर्ड चुनावों के दौरान, बिहार और शायद भारत के चुनावी इतिहास में पहली बार फिर से मतदान का आदेश दिया गया था। हालांकि, इसका कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है। और फिर यह नई ऊंचाइयों को छूता चला गया। प्रारंभ में, बूथ लूट कुछ ₹₹व्यवसाय₹ थी, लेकिन इसका धीरे-धीरे अपराधियों के हाथों में प्रवेश हो गया, जिन्होंने बाद में केवल अपने ₹लॉर्ड्स₹ के लिए काम करने के बजाय चुनाव लड़कर अपनी क्षमता का परीक्षण करना शुरू कर दिया, पहले बदनाम किया और फिर अंत में राजनीतिक संस्थानों के चरित्र को तोड़ दिया।

बूथ लूट और उसके परिणामस्वरूप फिर से मतदान और चुनाव रद्द करना एक नियम बन गया था। पटना में लोकसभा चुनाव 1991 और 1998 में दो बार रद्द किए गए थे। यह राज्य की राजधानी का राज्य था। कल्पना कीजिए कि छोटे शहरों और गांवों में क्या हो सकता था। निर्वाचन अधिकारियों द्वारा निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार को भेजी गई रिपोर्टों के डोजियर अच्छी तरह से रखे हुए हैं। यहां तक कि चुनाव रद्द करने के संबंध में चुनाव आयोग के फैसलों को भी कई बार लड़ा गया था। लेकिन तब वे निर्णय पूरी तरह से रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा अपनी रिपोर्ट में लिखी गई बातों पर आधारित थे। छपरा में 2004 में चुनाव आयोग को इसे शून्य कहने में काफी दिक्कत हुई थी। अंत में, मतदान को रद्द कर दिया गया। ये केवल कुछ स्पष्ट उदाहरण हैं।

काउंटरमैंडिंग की कई अन्य घटनाएं मीडिया में अच्छी तरह से प्रलेखित हैं और सरकारी फाइलों में दर्ज हैं। यहां एक उल्लेखनीय घटना है जब 1998 के लोकसभा चुनाव के दौरान मंत्रियों सहित दो दर्जन विधायकों को बूथ पर कब्जा करते हुए पकड़ा गया था। अगर कोई यह देखता है कि राज्य में कितनी बार फिर से मतदान का आदेश दिया गया था, तो इससे अधिक निराशाजनक तस्वीर सामने नहीं आ सकती है। प्रतिनिधित्व के बहुत ही उपकरणों को एक मूक दफन दिया गया था। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि केवल एक राज्य बिहार में 4,995 बूथों पर फिर से चुनाव कराए गए और केवल एक चुनावी वर्ष में, वह 1998 का लोकसभा चुनाव था।

इसकी तुलना 1952 के लोकसभा चुनावों से करें, जब केवल 26 बूथों पर पुनर्मतदान हुआ था। इसलिए, बूथ लूट कहीं अधिक संगठित व्यवसाय बन गई और देश के पहले चुनाव के 45 साल बाद फिर से चुनावों की संख्या चार गुना से अधिक हो गई। विधानसभा चुनाव अपनी छाप छोड़ने में भी पीछे नहीं रहे। 1995 के विधानसभा चुनावों के दौरान, 1,668 बूथों पर पुनर्मतदान का आदेश दिया गया था। इसी तरह वर्ष 2000 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान 1,420 बूथों पर पुनर्मतदान हुआ था।

2004 में जब तक इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) ने भारतीय चुनावों में प्रवेश किया, तब तक मतदाताओं का उचित प्रक्रिया में विश्वास नहीं रह गया था और बाद में कुछ अन्य उत्तर भारतीय राज्यों के साथ बिहार में भी मतदान प्रतिशत कम हो गया था। वैसे, ईवीएम को भी नहीं बख्शा गया। उन दिनों चुनाव प्रक्रिया के दौरान शरारती तत्वों द्वारा ईवीएम को नष्ट किए जाने की खबरें बहुत अधिक थीं। और फिर केक पर कुछ आइसिंग भी इंतजार कर रही थी।

यह तब उपलब्ध हुआ जब मतदान के दिन एक मतदान क्षेत्र के प्रबंधन को परीक्षण के लिए रखा गया था। ईवीएम से छेड़छाड़ की सामान्य बात के खिलाफ, जो अब तक झूठी साबित हुई है और इसे नौटंकी करार दिया गया है, मैं उनके प्रबंधन की बात करूंगा। उन दिनों पत्रकारों के लिए यह रिपोर्ट करना असामान्य नहीं था कि कैसे पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के साथ छेड़छाड़ की गई थी, ताकि ईवीएम या यूके कहें कि बूथ को प्रबंधित किया जा सके, छेड़छाड़ को भूल जाइए। 2004 के बाद, मतदान बूथों पर इस तरह के ₹प्रबंधन₹ का दस्तावेजीकरण करना, या ईवीएम को नष्ट करना, या सुरक्षा बलों की छेड़छाड़ करना, या अब लगभग असंभव है, बूथ लूट का दस्तावेजीकरण करना इतना मुश्किल क्यों है? यह विचार का भोजन है

बिहार में चनाव के दौरान हिंसक घटनाओं की मुख्य वजह नकली वोट डालने के लिए हथियारबंद गुंडों द्वारा बूथों पर कब्जा करना, आम मदाताओं को वोट डालने से डराना, कमजोर जातियों या विरोधी गुटों के लोगों को धमका कर घर में बंद करना। बम और गोलीबारी घटनाएं मतदान वाले दिन क्षेत्र में दहशत फैलाने के लिए भी किए जाते हैं। बिहार में राजनीतिक हत्याओं के पीछे की वजह बाहुबलियों को तवज्जो देना मुख्य वजह रहा है। राजनीतिक हिंसा और हत्या के दौर में बिहार में कई नेताओं की जान गई। जुलाई 1990 में जनता दल के विधायक अशोक सिंह को उनके घर पर ही मार दिया। फरवरी 1998 की रात को विधायक देवेंद्र दुबे की हत्या हो गई। विधायक बृजबिहारी प्रसाद की भी हत्या हो गई। अप्रैल 1998 में माकपा के विधायक अजीत सरकार की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। अजीत सरकार की हत्या के मामले में तो बाहुबली नेता पप्पू यादव को उम्रकैद की सजा भी मिली थी। हालांकि, बाद में सबूतों के अभाव में पप्पू यादव को बरी कर दिया गया। केंद्र सरकार की एजेंसी एनसीआरबी का डेटा के अनुसार बिहार में आज भी राजनीतिक हत्याओं का सिलसिला थमा नहीं है। साल 2019 में ही बिहार में 62 राजनीतिक हिंसा की घटनाएं हुई थीं, जिसमें 6 लोग मारे गए थे।

पड़ोसी देशों की अराजकता में भारतीय संविधान की ताकत का संदेश

-अजय कुमार

हमें अपने संविधान पर गर्व है पड़ोसी देशों को देखिए, वहां क्या हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई की यह टिप्पणी हाल ही में संविधान पीठ की सुनवाई में आई। यह वाक्य केवल एक कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं था, बल्कि दक्षिण एशियाई लोकतंत्र की मौजूदा स्थिति पर गहन चिंतन और चेतावनी भी था। गवई ने नेपाल और बांग्लादेश का हवाला देकर बताया कि जब संवैधानिक संस्थाएं कमजोर होती हैं, जब जनता का भरोसा व्यवस्था से उठता है, तो लोकतंत्र भीड़तंत्र में बदल जाता है। भारत का संविधान आज इस मायने में सबसे बड़ी ढाल है कि उसने बार-बार हमें संकटों से निकालकर लोकतंत्र की नींव को मजबूत रखा।

नेपाल का उदाहरण सबके सामने है। बीते दिनों वहां की सड़कों पर जिस तरह का आक्रोश देखने को मिला, उसने पूरे दक्षिण एशिया का ध्यान खींचा। सोशल मीडिया पर बैन लगाने के सरकार के फैसले ने आग में घी का काम किया। युवा वर्ग, जिसे जेन-जेड कहा जा रहा है, अब केवल अभिव्यक्ति की आजादी के लिए नहीं बल्कि भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता के खिलाफ आवाज उठा रहा है। संसद भवन तक भीड़ का पहुंचना, सुप्रीम कोर्ट परिसर में तोड़फोड़ और नेताओं के घरों पर हमले यह साबित करते हैं कि जनता का धैर्य टूट चुका है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को इस्तीफा देना पड़ा, लेकिन हिंसा थमी नहीं। सेना को कर्फ्यू लगाना पड़ा, फिर भी आंदोलन जारी है। नेपाल में यह अस्थिरता नई नहीं है। 2008 में जब राजशाही खत्म हुई, तो लगा था कि अब लोकतंत्र स्थिरता और विकास का रास्ता खोलेगा। लेकिन हकीकत उलट निकली। पिछले 17 वर्षों में वहां 14 सरकारें बदल चुकी हैं, कोई भी प्रधानमंत्री कार्यकाल पूरा नहीं कर सका। बार-बार राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के अधिकारों पर विवाद हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारें गिराईं और बहाल कीं। संविधान, जो 2015 में लागू हुआ था, वह भी स्थिरता नहीं ला सका। परिणाम यह है कि जनता अब व्यवस्था से मोहभंग कर चुकी है और राजशाही की वापसी की मांग तक उठने लगी है।

बांग्लादेश का परिदृश्य भी कुछ ऐसा ही है। हाल ही में प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी और वे कुछ समय के लिए भारत में शरण लेने आईं। यह उस देश की त्रासदी है जिसने 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर स्वतंत्रता पाई थी और लोकतांत्रिक भविष्य की उम्मीद जगाई थी। लेकिन वहां लगातार सत्ता संघर्ष, विपक्षी दलों के बीच अविश्वास और चुनावी प्रक्रिया पर सवालों ने संस्थाओं को खोखला बना दिया। जनता का भरोसा टूटने का नतीजा यही होता है कि लोकतंत्र केवल औपचारिकता रह जाता है और सड़क पर हिंसा ही असली राजनीति बन जाती है।

इन हालातों की तुलना में भारत का लोकतंत्र और संविधान सबसे मजबूत उदाहरण बनकर सामने आता है। भारत ने भी संकटों का सामना किया है। 1975 का आपातकाल हमारे लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला था। उस दौर में मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, मीडिया पर सेंसरशिप लगी और विपक्षी नेता जेल में ठूंस दिए गए। लेकिन वही संविधान, वही लोकतांत्रिक चेतना और वही जनता थी जिसने 1977 में इंदिरा गांधी को सत्ता से बाहर कर दिया। और जब जनता ने देखा कि नई सरकार उनकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही, तो 1980 में उन्होंने इंदिरा को फिर से बहुमत से सत्ता में वापस ला दिया। यही संविधान की खूबसूरती है कि वह न केवल नेताओं को उनकी सीमा दिखाता है, बल्कि जनता को भी सही रास्ता चुनने की ताकत देता है।

भारत की न्यायपालिका इस संविधान की सबसे बड़ी प्रहरी रही है। 1990 में मंडल कमीशन का मामला जब देशभर में हिंसा का कारण बना, तब सुप्रीम कोर्ट ने नौ जजों की पीठ बनाकर यह स्पष्ट किया कि आरक्षण पचास प्रतिशत से ज्यादा नहीं होगा और ह्यक्रीमी लेयरह्व को बाहर रखा जाएगा। इससे सामाजिक न्याय और समान अवसर का संतुलन बना रहा। 1992 में बाबरी मस्जिद ढहाए जाने के बाद देश दंगों की आग में झुलस रहा था, तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि धार्मिक आस्था भी संविधान से ऊपर नहीं हो सकती। 2019 में आया फैसला संवैधानिक मयार्दा में रहा और देश ने बिना बड़े दंगे के उसे स्वीकार किया।इसी तरह 2जी स्पेक्ट्रम और कोयला घोटाले के मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के फैसले रद्द कर दिए। यह संदेश गया कि राष्ट्रीय संपत्ति का गलत इस्तेमाल करने वाला कोई भी नेता कानून से ऊपर नहीं है। यही वह तंत्र है, जिसकी वजह से भारत में जनता का संविधान और न्यायपालिका पर भरोसा बना रहा, जबकि पड़ोसी देशों में यह भरोसा टूट गया।

भारत का संघीय ढांचा भी इसकी सबसे बड़ी ताकत है। केंद्र और राज्यों के बीच सत्ता का संतुलन किसी एक को तानाशाह बनने से रोकता है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता ने भी लोकतंत्र को सुरक्षित रखा। यही कारण है कि हर पांच साल में सत्ता बदलने का अधिकार जनता के हाथ में रहता है और कोई भी नेता खुद को अजेय मानने की गलती नहीं कर पाता।चीफ जस्टिस की टिप्पणी दरअसल हमें यही याद दिलाती है कि लोकतंत्र केवल सत्ता का खेल नहीं है, बल्कि यह जनता की ताकत का प्रतीक है। भारत ने हर संकट से संवैधानिक रास्ते से ही बाहर निकलने का सबक सीखा है। इमरजेंसी हो, मंडल हो, बाबरी मस्जिद का विवाद हो या घोटालों का दौर हर बार संविधान ने रास्ता दिखाया।

नेपाल और बांग्लादेश के हालात भारत के लिए भी चेतावनी हैं। अगर कभी संस्थाओं की स्वतंत्रता कमजोर हुई या नेताओं ने जनता का भरोसा तोड़ा, तो हालात बिगड़ सकते हैं। लेकिन अब तक भारत ने संविधान को ही सबसे बड़ा हथियार बनाया है। यही वजह है कि जब पड़ोसी देश अराजकता और अस्थिरता में झुलस रहे हैं, भारत का लोकतंत्र और संविधान मजबूती का प्रतीक बनकर सामने आता है।नेपाल का ह्यजेन-जेडह्व आंदोलन बता रहा है कि नई पीढ़ी अब पुरानी राजनीति और पुराने तौर-तरीकों को स्वीकार नहीं करेगी। लेकिन हिंसा और आगजनी समाधान नहीं है। भारत का अनुभव यह कहता है कि परिवर्तन का रास्ता केवल संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ही निकलता है। जनता को अधिकार भी यही देता है और जिम्मेदारी का बोध भी यही कराता है।

मुख्य न्यायाधीश गवई की टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सिर्फ गर्व करने की बात नहीं है, बल्कि यह भविष्य के लिए चेतावनी भी है। अगर हमने अपने संविधान और संस्थाओं की रक्षा नहीं की, तो हम भी उसी स्थिति में पहुंच सकते हैं, जहाँ आज नेपाल और बांग्लादेश खड़े हैं।भारत की उपलब्धि यही है कि संविधान को व्यवहार में उतारा गया है। यह किताब में बंद दस्तावेज नहीं, बल्कि एक जीवंत परंपरा है जिसने 75 वर्षों से देश को दिशा दी है। इसी संविधान ने हमें लोकतंत्र के अंधेरों से बार-बार रोशनी की ओर पहुँचाया है। यही वजह है कि भारत आज दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में गर्व से खड़ा है, जबकि पड़ोसी देशों की स्थिति हमें यह याद दिलाती है कि अगर संविधान कमजोर हो, तो लोकतंत्र केवल एक छलावा बन जाता है।

भारत तीसरी आर्थिक महाशक्ति होने का ताना-बाना

संजीव ठाकुर

भारत ने चीन के साथ सीमाओं पर होने वाले युद्ध की आशंका को समाप्त करते हुए बातचीत से समझौते का सही रास्ता अख्तियार कर सीमांत मोर्चे पर बजट पर होने वाले चीन से युद्ध की आशंका पर खर्च को काफी हद तक बचा लिया है एवं एक मोर्चे से भारत अब निश्चिंत होकर अपनी आर्थिक प्रगति की ओर अग्रसर हो सकता है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के विरोध में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक रूस चीन और अन्य देशों के साथ एक स्वर में परोक्ष रूप से अमेरिकी दादागिरी को लक्ष्य करके इसका विरोध किया है एवं चीन के साथ भारत की होने वाली सौहार्द पूर्वक बातचीत व मित्रता के रास्ते खुलने से यह टू तय है कि यदि चीन भारत से मित्रता का हाथ बढ़ाएगा और युद्ध नहीं करेगा तो पाकिस्तान की इतनी हैसियत नहीं है कि वह चीन के बिना भारत से युद्ध करने की कभी कल्पना भी कर सके । इन परिस्थितियों में भारतीय अर्थशास्त्रियों का अनुमान है की भारत अब विश्व की तीसरी महाशक्ति बनने से काफी नजदीक पहुंच जाएगा और अमेरिका ब्रिटेन फ्रांस कनाडा जैसे देश जो भारत की प्रगति को बहुत ज्यादा पसंद नहीं करते हैं को भारत चीन के इस समझौते से बड़ा झटका ही लगा है। निश्चित तौर पर ये अंग्रेज देश नहीं जाएंगे कि भारत उनकी बराबरी के साथ खड़े होकर आंखों में आंखें डाल कर बात करे सके। भारत स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद अथक प्रयास करने के पश्चात आधुनिक भारत के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी कार्यप्रणाली इसी सोच के साथ आगे बढ़ाई थी कि भारत आने वाले समय में एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं आर्थिक रूप से संपन्न राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर उभर कर आएगा। इसी तारतम्य में 1952 से प्रारंभ की गई पंचवर्षीय योजनाओं के तहत कृषि, उद्योग, विज्ञान और स्वास्थ्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सोच को मूर्त रूप दिया गया था। समय समय मैं सरकारें बदलती रहे और भारत विकास की ओर धीरे-धीरे बढता रहा। आज वर्तमान में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में आर्थिक स्थिति में जबरदस्त विकास किया है, भारत विश्व में पांचवी आर्थिक स्थिति बन चुका है दूसरी तरफ विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी में भी अहम स्थान रखता है। सामरिक तौर पर भी भारत की सेना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना विशेष स्थान रखती है ।अब पाकिस्तान या चीन की इतनी हिम्मत नहीं है कि वह सीधा भारत पर आक्रमण कर सकें। भारत ने विकास कर यह साबित कर दिया है भारत अब पुराना भारत नहीं रहा है और अब किसी भी विषम परिस्थिति मैं भारत सीना तान कर खड़ा हुआ है। मैं किसी पार्टी विशेष का पक्षधर नहीं हूं जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी ,अटल बिहारी वाजपेई, डॉ मनमोहन सिंह और अब नरेंद्र मोदी जी ने भारत को वैश्विक पटल पर एक सम्मानजनक इस स्थिति में ला खड़ा किया ह।' अटल बिहारी जी के नेतृत्व में हम परमाणु शक्ति संपन्न देश बने थे और इंदिरा गांधी जी के नेतृत्व में हमने 1971 में पाकिस्तान को बुरी तरह हराकर कर उसका विभाजन कर बांग्लादेश नामक नए देश का जन्म करवाया था।

पर मैं यहां बात विकास के वास्तविक धरातल और देश में गरीबी तथा बेरोजगारी उन्मूलन की करना चाह रहा हूं. हमारा देश अभी भी गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी, असमानता, अंधविश्वास, आडंबर और धार्मिक कट्टरपंथ का सामना करते हुए उस गति से विकास नहीं कर पा रहा है जिसके लिए वह अत्यंत समर्थ है। आज भारत की धमक अमेरिका से लेकर जापान तथा अफ्रीकी देशों में भी है भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी का स्वागत अमेरिका फ्रांस ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड ब्राजील इजरायल और सऊदी अरेबिया देश के अनेक राज्यों के राष्ट्रीय प्रमुख हुक्मरानों ने दिल खोलकर किया है। नरेंद्र मोदी की वैश्विक हैसियत इसी बात से पता चलती है कि बाहुबली अमेरिका के राष्ट्रपति ने उनका ऑटोग्राफ लेने की गुजारिश की है और पापुआ न्यू गिनी के राष्ट्र प्रमुख ने उनके चरण छूकर उनका अभिवादन किया। यह संभवत चमत्कारिक प्रभाव भारत के शक्तिशाली होने एवं वैश्विक शांति के प्रति देश की प्रतिबद्धता के कारण ही हुआ है।

पर दूसरी तरफ भारत की अंदरूनी स्थिति में भारत 140 करोड़ की जनसंख्या वाला देश हो गया है' विकास की कल्पना में भारत आर्थिक तौर पर एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो, इस स्थान पर गरीबी बेरोजगारी असमानता का उन्मूलन हो चुका हो। इसी तरह भारत कच्चे तेल के संकट से मुक्त होकर उर्जा संपन्न देश बने और भारतीय मुद्रा का चलन वैश्विक स्तर मैं सम्मान पूर्वक हो सके। सामाजिक स्तर पर विभिन्न लक्षित वर्गों जैसे दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, आदिवासी, महिलाओं तथा बच्चों के लिए लाभकारी नीति बनाई जानी चाहिए। अभी महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के के साथ सामाजिक तथा प्रशासनिक, वैज्ञानिक, चिकित्सकीय स्तर पर केवल कागजों में दिखाई देती है नारी प्रताड़ना का प्रतिशत अभी भी भारत में बहुत ज्यादा है। ग्रामीण क्षेत्र में बाल श्रम की स्थिति विकराल है अनाज का पर्याप्त भंडारण होने के बावजूद भूखमरी तथा बेरोजगारी भारत में सिर चढ़कर बोल रही है। इसी तरह भारत में सुरक्षा की दृष्टि से बहुत बड़ी बड़ी चुनौतियां हैं जैसे धार्मिक उन्माद, नक्सलवाद, चरमपंथी विचारधारा तथा विभिन्न राज्यों के आपसी विवादों से हमें मजबूती से निपटना होगा तब जाकर विकास की अवधारणा को मूर्त रूप दिया जा सकता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपेक्षित रूप से बहुत कम है। भारत अभी वैज्ञानिक, तकनीकी और सुरक्षा के उच्च स्तर पर नहीं पहुंच पाया है। जिससे वह हर देश से आर्थिक सामाजिक राजनीतिक रूप से संतुलन बनाकर आमने सामने बैठ कर बात कर सके और इतना सामर्थ हो भारत कि हम संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के आमंत्रित सदस्य बनकर बुलाए जाएं।

गांधी जी ने स्वतंत्रता के बाद कहा था कि मेरे सपनों का भारत कैसा भारत हो जिसमें गरीब से गरीब और वंचित से वंचित तथा पिछड़ा व्यक्ति भी भारत को अपना देश समझे तथा भारत की सरकार ऐसी सरकार जो अपनी नीतियां अंतिम व्यक्ति को सोचकर बना सके और उस व्यक्ति को सर्वाधिक लाभ प्राप्त हो सके। गांधी जी के सपनों के भारत को बनाने के लिए देश को सामाजिक, सांस्कृतिक, संस्कारिक, वैज्ञानिक और राजनीतिक रूप से शक्ति संपन्न बनाना होगा तभी भारत का हर नागरिक अपने भारत के नागरिक होने पर गर्व उच्च स्तर पर कर सकेगा।

वर्ल्ड फिजियोथैरेपी डे मनाया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के सबसे श्रेष्ठ और उच्च रेटेड फिजियोथैरेपी सेंटर फिजियोवर्ल्ड में HOD डॉ. निरज झा ने वर्ल्ड फिजियोथैरेपी डे के अवसर पर खास कार्यक्रम का आयोजन किया। फिजियोवर्ल्ड इस दिन को 2012 से लगातार मनाता आ रहा है और मरीजों तथा समाज में फिजियोथेरेपी के महत्व को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

डॉ. निरज झा ने कहा कि फिजियोथेरेपी केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने और स्वास्थ्यपूर्ण जीवनशैली अपनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर मरीजों, फिजियोथेरेपिस्टों और विशेषज्ञों के लिए नवीनतम तकनीकों और उपचार के आधुनिक तरीकों पर विशेष चर्चा की गई। फिजियोवर्ल्ड मुंबई का नंबर 1 रेटेड फिजियोथेरेपी सेंटर है, जहां अनुभवी विशेषज्ञ, आधुनिक सुविधाएं और व्यक्तिगत देखभाल सुनिश्चित की जाती है। यह केंद्र मरीजों को सुरक्षित, प्रभावी और परिणाम-उन्मुख उपचार प्रदान करने के लिए जाना जाता है, जिससे मरीजों का स्वास्थ्य और जीवनशैली दोनों बेहतर बनते हैं।

गणपति विसर्जन के बाद नायगाव में कोस्टल रिस्टोरेशन ड्राइव का आयोजन

मुंबई। भारत की एक बड़ी लक्जरी रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी, सनटेक रियल्टी ने गणपति विसर्जन के बाद नायगाव के पाचूबंदर जेटी पर कोस्टल रिस्टोरेशन ड्राइव चलाया। ओशन ओ फाउंडेशन और वसई-विरार शहर नगर निगम के सहयोग से, मंगलवार 9 सितंबर को चलाई गयी इस पहल में विसर्जन के बाद बीच पर्यावरण को फिर से पहले जैसा करके, उसे संरक्षित रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस पहल में समुद्र तट से 1 टन से ज्यादा कचरा हटाया गया, इसमें विसर्जित की गयी मूर्तियों के अवशेष भी थे। इस कोस्टल रिस्टोरेशन ड्राइव ने बीच को उसकी प्राकृतिक सुंदरता बहाल की। 100 से भी ज्यादा लोगों ने साथ मिलकर कोस्टल रिस्टोरेशन ड्राइव में योगदान दिया। ठाकुर रामनारायण कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के छात्र स्वयंसेवक भी इसमें सहभागी हुए। सनटेक रियल्टी ने सस्टेनेबिलिटी और सामुदायिक सहभागिता के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत यह पहल चलाई। नागरिकों, संस्थानों और नगर निकायों को मुंबई की इकोलॉजी के संरक्षण के साझा लक्ष्य के लिए इसमें एक साथ लाया गया। इसके पहले भी सनटेक ने एमएमआर के प्रसिद्ध बीच के रखरखाव के लिए सस्टेनेबल लाइफस्टाइल ड्राइव आयोजित किए हैं। अभिनेत्री दीया मिर्जा, नेहा धूपिया और मिथिला पालकर ने उन्हें समर्थन दिया है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर का नवरात्रि ऑफर

मुंबई। नवरात्रि के शुभ अवसर पर ग्राहकों की खुशियों को बढ़ाने के लिए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने डबल बोनांजा ऑफर की घोषणा की है। हाल ही में कारों और एसयूवी पर जीएसटी दर में कमी का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के बाद, अब कंपनी लेकर आई है अभी खरीदें और 2026 में भुगतान करें का विशेष ऑफर। यह पश्चिमी क्षेत्र के ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगा। इस ऑफर और जीएसटी राहत के कम्बाइंड बेनिफिट्स के साथ अब आपके पसंदीदा टोयोटा वाहन जैसे अर्बन क्रूजर हायड्राइडर, टोयोटा ग्लांजा, और टोयोटा टैसर को घर ले जाना और भी आसान हो गया है।

देश के टॉप 50 आइकॉन में शामिल हुए सर्वेश कश्यप मुम्बई के भव्य कार्यक्रम में टॉप 50 आइकॉन अवार्ड्स 2025 से सम्मानित होंगे

मुंबई। पटना,बिहार के हैं निवासी कई राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स पर बतौर रणनीतिकार कर रहे हैं कार्य सर्वेश कश्यप को टॉप 50 आइकॉन अवार्ड्स 2025 से सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान के साथ सर्वेश कश्यप का नाम 2025 के देश के टॉप 50 आइकॉन पर्सनालिटी में शामिल हो चुका है। सर्वेश कश्यप लगभग 8 वर्षो से देश के कई चर्चित कलाकार, क्षेत्रीय व हिंदी फिल्में,फैशन इंडस्ट्री, कॉरपोरेट कंपनियां,नेता और राजनीतिक पार्टियों के लिए बतौर स्ट्रैटेजिक एडवाइजर व रणनीतिकार के रूप में कार्य कर रहे हैं। पिछले 8 सालों में सर्वेश कश्यप ने 112 क्षेत्रीय भाषा और हिंदी फिल्मों के साथ कई बड़े प्रोडक्शन हाउस के फिल्मों के लिए भी काम किया है। अभी हाल ही में हुए विश्व प्रसिद्ध सौंदर्य प्रतियोगिता मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 के लिए बतौर मीडिया रणनीतिकार कार्य कर देश भर में सुर्खियां बटोरी है।

खलासी के बाद कोक स्टूडियो भारत में गूंजेगा आदित्य गढ़वी का नया गीत ह्यमीठा खाराह्ण

मुंबई/पटना। कोक स्टूडियो भारत ने अपने सीजन 3 का नया गीत मीठा खारा रिलीज किया है। नवरात्रि के उत्सव के साथ पेश किया गया यह गीत गुजरात की लोक-धरोहर को नई आवाज देता है। इस गाने को सिद्धार्थ अमित भावसार ने क्यूरेट और कम्पोज किया है, और इसमें लोकगायक आदित्य गढ़वी, मधुबंती बागची की सुरीली आवाज और युवा कलाकार थानू खान की ताजगी शामिल है। कोक स्टूडियो भारत के लिए खास तौर पर तैयार किया गया मीठा खारा लोकसंगीत की मिट्टी से जुड़ी धुनों को आधुनिक सुरों से जोड़ता है। यह गीत खलासी की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एक बार फिर गुजरात की सांस्कृतिक जड़ों को उजागर करता है। 600 साल पुरानी अग्रिया कम्युनिटी की विरासत से जुड़ा मीठा खारा उनके जीवन के गहरे विरोधाभास को सामने लाता है। गुजरात में मीठू यानी नमक–एक ऐसी चीज जो आवश्यक भी है और कठिन परिश्रम से भी जुड़ी है। अग्रिया समुदाय के लिए नमक सिर्फ.रोजगार नहीं, बल्कि धैर्य और गर्व से जुड़ी उनकी धरोहर है। यह गीत दिखाता है कि किस तरह हर पीढ़ी इस मीठे-खारे सफर को अपनाती है–जहां कठोरता ही उनकी सबसे बड़ी मिठास बन जाती है। यही है मीठा खारा–हौसले और पहचान का गीत, जो नमक की तरह समय के साथ कायम रहता है।

कल्याण पुलिस के ताबे में सात बंगलादेशी

6 महिला एक पुरुष - कुछ महिलाओं के पास भारतीय आधारकार्ड

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण महात्मा फुले पुलिस ने सात बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें छह महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इन सात लोगों में से तीन से चार के पास भारतीय आधार कार्ड हैं। ये बांग्लादेशी नागरिक एक चैट ऐप के जरिए अपने रिश्तेदारों से संपर्क में थे।

कल्याण की महात्मा फुले पुलिस ने दो दिन पहले एक महिला को हिरासत में लिया था। महिला से पूछताछ में पता चला कि वह बांग्लादेशी है। हिरासत में ली गई महिला ने बताया कि वह अंबरनाथ के शिवाजी नगर थाने क्षेत्र के एक सोसाइटी में रहती है। पुलिस अधिकारी स्वप्निल भुजबल के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने अंबरनाथ स्थित उस सोसाइटी में छापा मारा। वहाँ से कुल पाँच महिलाएं और एक पुरुष मिले। कल्याण के एसीपी कल्याणजी घेटे ने बताया कि पुलिस जाँच में कुछ चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। हिरासत में लिए गए इन बांग्लादेशियों में से तीन-चार के पास भारतीय आधार कार्ड हैं। पुलिस आगे की जाँच करेगी। उनके पास से जो मोबाइल फोन जब्त किया गया है, उसकी भी जाँच की जाएगी।इनमें से छह महिलाएँ चैट ऐप के जरिए बातचीत करती थीं। दिलचस्प बात यह है कि इन सात महिलाओं में से एक को सात महीने पहले एक जगह से पकड़ा गया था। उसे बांग्लादेश भेज दिया गया था। वह भारत वापस आ गई। भारत आते समय वह अपने साथ छह और बांग्लादेशियों को भी ले आई। ये सभी बांग्लादेशी नागरिक दर्जी का काम करते हैं। अभी तक किसी भी तरह के गलत काम में उनकी संलिप्तता सामने नहीं आई है।

श्री गणेशा आरोग्यचा अभियान के तहत 342 स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में मुख्यमंत्री सहायता निधि एवं धमार्दाय रुग्णालय मदद कक्ष, जिलाधिकारी कार्यालय पालघर की ओर से श्री गणेशा आरोग्यचा इस विशेष स्वास्थ्य अभियान के अंतर्गत कुल 342 स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को निःशुल्क और सहज स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना तथा स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता फैलाना था।

इस अभियान के तहत 342 स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया, जिसमें कुल रोगियों की जाँच 19,913, पुरुष 8,813, महिला 6,897, बालक/बालिकाएँ 4,206, रेफर किए गए गंभीर रोगी 215 शामिल रहे। इस दौरान 04 रक्तदान शिविर आयोजित किया गया जिसमें 184 यूनिट रक्त संकलित किया गया। इस अभियान के दौरान विशेष जाँच एवं सेवाएँ दी गई, जिसमें एक्स-रे जाँच 73, ईसीजी जाँच 524, सिकल सेल स्क्रीनिंग 1,474 तथा 1,089 आयुष्मान भारत कार्ड बनाए गए। इस अभियान से हजारों नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिला। जिन मरीजों को गंभीर उपचार की आवश्यकता थी उन्हें रेफर किया गया। वहीं रक्तदान शिविरों से संकलित रक्तपिशवियाँ अनेक जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी सिद्ध होंगी। इस अभियान की सफलता में जिला स्वास्थ्य विभाग, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चिकित्सा अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाएँ तथा स्थानीय नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से लोकतंत्र मजबूत : सीमा सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को भारी मतों से मिली जीत से पूरा देश खुशियां मना रहा है। मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था मेघाश्रेय संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा देश की जानी-मानी समाजसेविका सीमा सिंह ने आज सीपी राधाकृष्णन से मिलकर उन्हें शानदार जीत की बधाई दी। सीमा सिंह ने कहा कि देश को श्री राधाकृष्णन के रूप में उच्च शिक्षित और बड़े ही सुलझे हुए ईमानदार उपराष्ट्रपति मिल गया है। हम सभी देशवासियों को पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारत विश्व में कीर्तिमान हासिल करेगा।

उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज विश्व के पटल पर भारत का झंडा लहरा रहा है। ऐसे में राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से लोकतांत्रिक ताकत बढ़ेगी और देश समृद्ध और खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ेगा।

दहिसर टोल प्लाजा को स्थानांतरित करने के फैसले के बाद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक का निरीक्षण दौरा

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर और मुंबई के बीच नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए, प्रशासन द्वारा दहिसर टोल प्लाजा को स्थानांतरित करने का निर्णय लेने के बाद, आज महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिला संरक्षक मंत्री माननीय श्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने दहिसर टोल प्लाजा और वसोर्वा ब्रिज (नए टोल प्लाजा स्थान) के सामने नर्सरी क्षेत्र का दौरा किया।

उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में इस निर्णय को मंजूरी दी गई और दिवाली से पहले टोल प्लाजा को नए स्थान पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। निरीक्षण दौरे के बाद बोलते हुए, मंत्री सरनाईक ने कहा, दहिसर टोल प्लाजा के कारण, नागरिकों को हर दिन भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा था। 15 लाख से अधिक स्थानीय नागरिक ईंधन की बबार्दी, यात्रा में देरी और प्रदूषण से परेशान थे। इसीलिए इस टोल प्लाजा को वसोर्वा ब्रिज के सामने नर्सरी के पास स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय से मीरा-भायंदर और मुंबई के बीच यात्रा आसान हो जाएगी और स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

मंत्री सरनाईक ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि इस निर्णय से न केवल शहर में यातायात को सुचारू बनाने में मदद मिलेगी, बल्कि मीरा-भायंदर क्षेत्र के नागरिकों को दिवाली से पहले शिवसेना की ओर से टोल-मुक्त यात्रा का उपहार मिलेगा। इस दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के प्रबंध निदेशक श्री सुहास चिटनीस, मीरा-भायंदर महानगरपालिका आयुक्त श्री राधाबिनोद शर्मा, मीरा-भायंदर-वसई-विरार पुलिस आयुक्त श्री निकेत कौशिक, यातायात पुलिस उपायुक्त श्री अशोक विरकर सहित महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल के अधिकारी, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रतिनिधि और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

आध्यात्मिक संतो और फिल्मी सितारों की उपस्थिति में सजी JIWO बाजार प्रदर्शनी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जैन इंटरनेशनल वूमेन ऑर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित "JIWO बाजार प्रदर्शनी का आयोजन 11 सितंबर 2025 को ग्रांट रोड स्थित अवसर बैंक्वेट हॉल में भव्य रूप से संपन्न हुआ। सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक चले इस आयोजन में महिलाओं द्वारा तैयार किए गए विविध उत्पाद और हस्तशिल्प का आकर्षक प्रदर्शन किया गया।आयोजन के Pillar of the Project महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा रहे, जबकि कार्यक्रम का संचालन संगठन की प्रेसिडेंट डॉ. मंजू लोढ़ा, सचिव इंद्रा खीमेसरा और कोषाध्यक्ष उषा मुनोत ने किया। इस अवसर पर आध्यात्मिक आशीर्वाद देने के लिए आचार्य नयपद्म सागर महाराज साहेब और विदूषी आर्या मयना श्रीजी महाराज का विशेष सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ उपस्थित रहे, जबकि सम्मानित अतिथि के रूप में स्मिता जयकर, नील नितिन मुकेश, गौरव प्रतीक और श्रिमा राय ने अपनी उपस्थिति से आयोजन को गौरवान्वित किया। मुख्य अतिथियों ने भी अपने विचार रखे। जैकी श्रॉफ ने कहा कि महिलाओं के आत्मनिर्भर होने की दिशा में यह प्रयास प्रेरणादायी है, वहीं स्मिता जयकर ने कहा कि खक्हड जैसी संस्थाएँ महिलाओं की क्षमता को मंच प्रदान कर रही हैं। नील नितिन मुकेश ने इसे महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन और समाज में सकारात्मक संदेश देने वाला आयोजन बताया, जबकि गौरव प्रतीक ने युवाओं से इस सशक्तिकरण आंदोलन से जुड़ने की अपील की। श्रिमा राय ने कहा कि यह प्रदर्शनी महिला शक्ति और सृजनशीलता की मिसाल है। आयोजन में भारी संख्या में आगंतुकों ने शिरकत कर महिला उद्यमियों का उत्साह बढ़ाया।

कामकाजी महिलाओं को सरकारी योजनाओं के माध्यम से घरेलू सामग्री वितरित

कल्याण (उत्तरशक्ति)। सांसद श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन और महेश गायकवाड़ मातोश्री गुंजई फाउंडेशन द्वारा कामकाजी महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें उनके दैनिक जीवन में उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराने के लिए एक विशेष पहल की गई।

इस पहल के तहत, कल्याण पूर्व क्षेत्र की कई कामकाजी महिलाओं को सरकारी योजनाओं के माध्यम से घरेलू सामग्री वितरित की गई। इस पहल में भाग लेने वाली महिलाओं को विभिन्न प्रकार की कुल 30 घरेलू वस्तुएँ प्रदान की गईं। इससे महिलाओं को घरेलू ज़िम्मेदारियों में कुछ राहत मिलेगी । इस योजना के विषय की अधिक जानकारी देते हुवे महेश गायकवाड़ ने कहा, की कामकाजी महिलाएँ समाज की रीढ़ हैं। उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उनकी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए, हम ऐसी योजनाओं के माध्यम से उन्हें सहायता प्रदान कर रहे हैं। यह कार्य और भी व्यापक रूप से जारी रहेगा। इस अवसर पर प्रशांत बोटे, नीलेश रसाल, आरोग्य दूत चंद्रसेन सोनवणे,प्रशांत आमिन,सुमेश हुमने सहित शिवसेना के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

केडीएमसी से 27 गांव छोड़कर की जाए वार्ड रचना

- 27 गांव के लोग वार्ड रचना पर आपत्ति जताई
- 27 गांव को चाहिए अपनी स्वतंत्र नगर पालिका

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका ने चुनाव के लिए वार्ड संरचना प्रकाशित कर दी है। इस वार्ड संरचना पर आपत्तियाँ माँगी गई थीं। प्राप्त आपत्तियों पर गुरुवार को पालिका मुख्यालय में सुनवाई हुई, 27 गाँवों से 3,642 आपत्तियाँ प्राप्त हुई हैं। 27 गाँवों का मामला सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है। इसलिए, इन गाँवों को छोड़कर पालिका की वार्ड संरचना तैयार की जाए। सर्वदलीय संरक्षण अधिकार संघर्ष समिति ने माँग की है कि इन गाँवों में चुनाव न हों क्योंकि ये गाँव केडीएमसी से अलग होना चाहते हैं। इस माँग का उद्धव सेना, कांग्रेस, मनसे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार गुट ने समर्थन किया है।

भिवंडी के सांसद और संघर्ष समिति के अध्यक्ष बालया मामा उर्फ ??सुरेश म्हात्रे दर्ज आपत्तियों की सुनवाई के दौरान उपस्थित थे। चूँकि वे राकांपा शरद पवार गुट के सांसद हैं, इसलिए समिति और पार्टी की ओर से 27 गाँवों का मुद्दा उनमें नहीं उठाया जाना चाहिए क्योंकि यह कानून का मामला है। 27 गाँवों को नगर निगम से अलग करके उनकी अलग नगरपालिका बनाने की माँग की जा रही है।

1. ज़िला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने कहा कि उद्धव सेना संघर्ष समिति की भूमिका का समर्थन करती है। महाविकास आघाड़ी सरकार ने 27 में से 18 गाँवों को अलग करके उन्हें अलग नगरपालिका बनाने की प्रक्रिया शुरू की थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लंबित है। चूँकि 18 गाँवों को बाहर रखा गया था, तो 27 गाँवों में वार्ड संरचना कैसे और किस आधार पर बनाई गई? यह सवाल उठाया गया है। 27 गाँवों पर चुनाव थोपे नहीं जाने चाहिए। इसलिए उद्धव सेना संघर्ष समिति की भूमिका का समर्थन करती है। 2. कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रतिनिधि संतोष केने ने कहा कि 27 गाँवों की याचिका सर्वोच्च न्यायालय में लंबित होने के बावजूद, यह प्रश्न उठाया गया है कि वहाँ नगर निगम चुनाव के लिए वार्ड संरचना किस आधार पर बनाई गई। चूँकि कांग्रेस का रुख यह है कि 27 गाँवों में चुनाव नहीं होने चाहिए, इसलिए कांग्रेस संघर्ष समिति की माँग का समर्थन करती है। 3. मनसे जिला अध्यक्ष प्रकाश भोईर ने कहा कि वार्ड संरचना तैयार करते समय न्यायालय और नगर विकास विभाग द्वारा दिए गए आदेशों का उल्लंघन करते हुए वार्ड संरचना तैयार की गई है। दरअसल, महाविकास आघाड़ी सरकार ने 27 में से 18 गाँवों को अलग करके एक अलग नगर निगम बनाने का निर्णय लिया था। उस समय 18 गाँवों के नगरसेवकों के पद रद्द कर दिए गए थे। फिर वहाँ वार्ड संरचना कैसे तैयार की गई? जब मामला सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है, तो वहाँ वार्ड संरचना कैसे तैयार की जाती है? मनसे इसका विरोध करती है। मनसे संघर्ष समिति की माँग का समर्थन करती है।

भिवंडी के बी एन एन महाविद्यालय में आदिवासी भटके विमुक्त प्रेरणा महोत्सव हर्षोल्लाश के साथ संपन्न हुआ

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के बीएनएन महाविद्यालय प्रांगण में आदिवासी भटके विमुक्त प्रेरणा महोत्सव बडे हर्षोल्लाश के साथ आदिवासी रीति-रिवाज व परंपरागत तरीके से संपन्न किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथियों में सांसद हेमंत सावरा ने कहा कि आदिवासी घुमंतू विमुक्त समाज हमारे भारत की अमूल्य धरोहर हैं जो प्रकृति के सानिध्य में रहकर परंपरा, संस्कृति और मूल्यों की रक्षा करता है। पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल द्वारा संचालित बीएनएन महाविद्यालय द्वारा आयोजित आदिवासी घुमंतू विमुक्ति प्रेरणा महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में सांसद हेमंत सावरा, मुंबई विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव कृष्ण पारद, संगठन के अध्यक्ष बी.डी. काले, कनिष्ठ शिक्षा विस्तार अधिकारी संतोष भोये, उपाध्यक्ष श्रीराम भोईर, महासचिव आर.एन. पिंजारी, प्राचार्य सुधीर घागस, नारायण पाटिल, दीपक परभणकर, कॉलेज के सभी उप-प्राचार्य, प्राध्यापक, शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे। सांसद डा. हेमंत सावरा ने कहा कि महाविद्यालय की यह पहल आदिवासी समुदाय के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास उत्पन्न करने के साथ आदिवासी संस्कृति और जीवनशैली की पहचान समाज को कराती है तथा सामाजिक और शैक्षणिक उन्नति के लिए प्रेरणा बढ़ाती है जो बहुत ही सराहनीय है वहीं संस्था के संस्थापक पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव ने आदिवासी और घुमंतू समुदायों की समस्याओं को समझा और उनके लिए शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध कराईं। अध्यक्ष बालकृष्ण काले ने कहा कि यह उत्सव आदिवासी समुदाय की संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली से परिचित कराने के लिए आयोजित किया गया था। महाविद्यालय की प्राचार्य डा. सुवर्णा रावल ने उत्सव के आयोजन के पीछे की भूमिका को समझाते हुए स्पष्ट किया कि यह उत्सव केवल मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि आदिवासी और घुमंतू समुदायों के लिए ज्ञानवर्धन का भी साधन है। इस अवसर पर वारली चित्रकला, चित्रकथा और आदिवासी घरों की प्रतिकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई। जंगली सब्जी प्रदर्शनी के अवसर पर, छात्रों को सब्जियां बेचकर छात्र जीवन में ही व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में मदद करने के लिए साग-सब्जी प्रदर्शनी और बिक्री का आयोजन किया गया। छात्रों ने नकद और डिजिटल रूप से सब्जियां बेचकर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

महाविद्यालय की प्राचार्या डा. सुवर्णा रावल की संकल्पना के अंतर्गत आयोजित इस महोत्सव को सफल बनाने में महाविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा है। कार्यक्रम का सूत्र संचालन विद्या धस, शुभांगी अमृतकर, प्रियंका ठाकुर ने किया वहीं कार्यक्रम में आये हुये अतिथियों का आभार एम.ओ. महाले ने व्यक्त किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अंतरजनपदीय चोर गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने चार शातिर अपराधियों को दबोचा

पांच चोरी की मोटरसाइकिलें और हथियार हुआ बरामद

अपराधियों ने कबूला- संगठित गिरोह बनाकर करते थे चोरी

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद की फूलपुर थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर अंतरजनपदीय चोर गिरोह के चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से पांच चोरी की मोटरसाइकिलें, दो तमंचे, दो जिंदा कारतूस, चार मोबाइल फोन और 360 रुपये नगद बरामद किए गए। गिरफ्तारी जगदीशपुर गिट्टी प्लांट के पास झाड़ियों में की गई, जहां अपराधी चोरी की मोटरसाइकिलें बेचने की फिराक में थे। गिरफ्तार आरोपी में आशुतोष तिवारी उर्फ आजाद तिवारी (24), प्रिंस तिवारी (20), अफसर अहमद (37), और मोहम्मद कामरान (23) शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे एक संगठित गिरोह के रूप में काम करते थे। चोरी से पहले रेकी कर मोटरसाइकिलें चुराते, उनके नंबर प्लेट और चेसिस नंबर मिटाकर पेंट कर पहचान बदलते, और फिर उन्हें बेच देते। इस कमाई को आपस में बांटकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उन्होंने एक अन्य साथी, आदर्श तिवारी (वाराणसी), का भी नाम लिया, जो फिलहाल फरार है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना फूलपुर में मुकदमा संख्या 303/2025, धारा 303(2) /317(2)/ 318(4)/ 336(3)/ 338/ 340(2) बीएनएस और शस्त्र अधिनियम के तहत दो अन्य मुकदमे दर्ज किए हैं। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष सच्चिदानंद यादव, महिला उपनिरीक्षक प्रियंका तिवारी, उपनिरीक्षक उमाशंकर यादव, उपनिरीक्षक अजीज खान, और अन्य कांस्टेबल शामिल थे। पुलिस अब फरार आरोपी आदर्श तिवारी की तलाश में जुट गई है।

राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी में मेरठ की टीम ने मारी बाजी, जीता गोल्ड मेडल

अतिथिद्वय ने फीता काटकर किया कार्यक्रम का किया शुभारंभ, खिलाड़ियों से लिया परिचय

डॉ.इम्तियाज अहमद

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोधी शाहगंज क्षेत्र के ग्राम भुडकुड़हाँ में गुरुवार की रात्रि आल इंडिया कबड्डी चैंपियनशिप का आयोजन किया गया । जिसमें देश के अनेक राज्यों से कुल चौबिस टीम ने प्रतिभाग किया । प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देना और युवाओं की प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करना रहा । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व सांसद धनंजय सिंह व विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंसू ने फीता काट कर किया तत्पश्चात खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल प्रारंभ हुआ ।इसके पूर्व अतिथि द्वै का माल्यार्पण कर अग्वस्त्रम और सरदार भगत सिंह का चित्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल ग्रामीण भारत की पहचान है जो खेल भावना और अनुशासन को बढ़ावा देंगे ।इसी कड़ी में विशिष्ट अतिथि प्रिंसू सिंह ने कहा की यह ऐसा खेल है जो बिना संसाधन के हो सकता है केवल उसमे अपनी ऊर्जा को लगाना होता है ।प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे जिनकी तालियों की गड़गड़ाहट ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया ।यहाँ कुल आईटीबीपी दिल्ली, यस यस बी हरियाणा सामने चौबीस टीम ने प्रतिभाग किया ।खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती और ताकत का शानदार प्रदर्शन किया ।रणनीतिक खेल का बेहतरीन नमूना पेश करते हुए रोमांचक मुकाबले खेले गए जिनमें बी के एकेडमी मेरठ ने अपने प्रतिद्वंदी को हराकर प्रथम पुरस्कार इक्यावन हजार रुपये नकद और गोल्ड मेडल जीता वहीं दूसरे स्थान पर वाराणसी कबड्डी टीम ने पैंतिस हजार रुपये नकद और सिल्वर मेडल पर कब्जा कर लिया वहीं तीसरे स्थान पर जे डी एकेडमी नोयडा ने पंद्रह हजार रुपये नकद और ब्रांज मेडल पर संतोष करना पड़ा ।चौथे स्थान पर जौनपुर कबड्डी टीम ने पंद्रह हजार रुपये का पुरस्कार जीता ।कार्यक्रम का आयोजन अफान जावेद और जका खान ने किया इस अवसर पर नवीन सिंह, राणा सिंह, पूर्व प्रधान शाहिद, पूर्व प्रधान मतलूब, इब्राहिम खान, साकिर खान, दानिश आदि उपस्थित रहे।

काशी में भारत-मॉरीशस के बीच हुई द्विपक्षीय शिखर वार्ता

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में भारत-मॉरीशस के बीच सांस्कृतिक, व्यापारिक और पर्यटन साझेदारी को बढ़ाने के लिए काशी में गुरुवार को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय शिखर वार्ता हुई। बैठक में भाग लेने के लिए मॉरीशस प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम, पत्नी वीना रामगुलाम के साथ बुधवार शाम पहुंचे। एयरपोर्ट से ताज होटल तक उनका भव्य स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार सुबह 11 बजे पहुंचे। ताज होटल में दोपहर 12 बजे हुई वार्ता में दोनों नेता द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा किया। जिसमें विकास साझेदारी और क्षमता निर्माण पर विशेष फोकस रहा। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे के साथ नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नीली अर्थव्यवस्था जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा किया। जानकारों के मुताबिक, यह यात्रा मार्च 2025 में प्रधानमंत्री मोदी की मॉरीशस यात्रा से बने सकारात्मक माहौल पर आधारित है। जिस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया था। भारत-मॉरीशस के बीच मजबूत होता यह सहयोग न केवल दोनों देशों के लोगों की समृद्धि के लिए बल्कि ग्लोबल साउथ की सामूहिक आकांक्षाओं के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

माता-पिता की मर्जी के खिलाफ शादी करने वालों को नहीं मिलेगी पुलिस सुरक्षा

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने माता-पिता की सहमति के बिना शादी करने वाले जोड़ों को पुलिस सुरक्षा देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे जोड़े तब तक सुरक्षा के हकदार नहीं होंगे। जब तक उनकी जान या स्वतंत्रता को गंभीर खतरा न हो। यह महत्वपूर्ण फैसला न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अजीत कुमार की खंडपीठ ने श्रेया केसरवानी और उनके पति की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुनाया ।याचिकाकताओं ने परिवार के विरोध के चलते पुलिस सुरक्षा और वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप न करने का निर्देश देने की मांग की थी। हालांकि, जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव की पीठ ने याचिका की सुनवाई के बाद कहा कि जोड़े को कोई गंभीर खतरा नहीं है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के लता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्यह्न मामले का हवाला देते हुए याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा, अपनी मर्जी से शादी करने वाले जोड़ों को समाज और परिवार के विरोध का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। पुलिस सुरक्षा देना कोर्ट का दायित्व नहीं है। जब तक कि कोई ठोस खतरा साबित न हो ।रिपोर्ट के अनुसार, याचिकाकताओं के परिजनों द्वारा शारीरिक या मानसिक हमले का कोई सबूत नहीं मिला। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस सुरक्षा की मांग को रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने भी हाल ही में इसी तरह के एक मामले में कहा था कि अपनी मर्जी से शादी करने वाले जोड़ों को आपसी समर्थन के साथ सामाजिक चुनौतियों का सामना करना सीखना चाहिए । यह फैसला प्रेम विवाह करने वाले जोड़ों के लिए समाज और कानून के बीच संतुलन बनाने का प्रयास है।

स्वामी विवेकानन्द के शिकागो में दिए विचार आज भी प्रासंगिक: डॉ.रसिकेश

शिकागो में दिए 132वीं वर्षगांठ पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास, एचआरडी विभाग द्वारा विवेकानंद के 11 सितंबर 1893 में शिकागो में दिए 132वीं वर्षगांठ पर विवेकानंद के दर्शन पर आधारित कार्यशाला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व्यवसाय प्रबंध विभाग के प्राध्यापक एवं निर्णायक उद्देश्य सिंह ने कहा कि आज युवाओं को स्वामी जी की ही तरह निर्भीक एवं आध्यात्मिक होने की आवश्यकता है स्वामी जी का 11 सितंबर का भाषण अभूतपूर्व था जिसे आज भी याद किया जाता है। आज युवाओं को फिल्म और सोशल मीडिया के अभिनेताओं से नही बल्कि युवा आइकॉन स्वामी जी को अपना रोल मॉडल बनाना होगा। विभागाध्यक्ष डॉ रसिकेश ने कहा की 132 वर्ष पूर्व दिए स्वामी जी के संछिप्त भाषण को आज की पीढ़ी न सिर्फ देशी बल्कि विदेशी भी अप्रतिम मानते है। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर विभागाध्यक्ष डॉ रसिकेश एवं उद्देश्य सिंह द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करके किया गया। विभाग की छात्रा अवंतिका एवं राज द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया गया। ततपश्चात स्वामी विवेकानन्द के 11 सितंबर 1893 को अमेरिका के शिकागो में दिए ऐतिहासिक मूल भाषण को छात्रों के लिए पावर पॉइंट आडियो वीडियो के द्वारा प्रदर्शित किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अनुराग तिवारी, द्वितीय पुरस्कार संजना मिश्रा, तृतीय पुरस्कार वैशाली राय , चतुर्थ पुरस्कार पूजा साहू एवं पंचम पुरस्कार अमृता सिंह ने को मिला। मुख्य अतिथि और डॉ रसिकेश ने पुस्तक देकर विजेताओं को सम्मानित किया। अंत मे दया कर दान भक्ति की गीत अनु पांडेय, गौरी सिंह और अर्शला खान द्वारा प्रस्तुत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन निधि सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन अवंतिका यादव एवं राज सैनी ने किया। कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक अनुपम एवं डॉ प्रवीण मिश्रा, द्विव्यांशु सिंह सहित विभाग के छात्र ऋषिता, उज्ज्वल, निधि, कपिल, निवेदिता, राज, अवंतिका, अनु, गौरी, खुशी सिंह, पारुल श्रीवास्तव, जाह्नवी राय, दिवांशु सिंह, संजना मिश्रा सहित समस्त छात्र उपस्थित थे।

खेत जुताई के दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटा, दबकर चालक की मौके पर मौत

डॉ.सुनील कुमार मिश्रा

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। जुगैल थाना क्षेत्र के चौरा गांव में खेत जुताई के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटने से 35 वर्षीय तेज नारायण केवट की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। दुःखद घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। मौके पर पहुंची पुलिस शव को अपने कब्जे में ले कर आगे की कार्रवाई में जुट गईं। तेज नारायण खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहे थे। टीले नुमा खेत पर जुटाई के दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और पलट गया। वे ट्रैक्टर के नीचे दब गए। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गईं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। घटना की बाबत जुगैल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटना को लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य की मौत से परिवार की आजीविका प्रभावित होगी।

मडियाहूं में नीम के पेड़ से लटकता युवक का शव पाए जाने से सनसनी, परिजनों में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के बुजुर्गा गांव में एक युवक का शव नीम के पेड़ से लटकता हुआ मिला। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। उक्त गांव निवासी ओमप्रकाश गौतम (46) घर से निकले थे। लगभग 6:30 बजे गांव का एक 15 वर्षीय किशोर खेत में पानी भरने गया तो उसने नीम के पेड़ पर ओमप्रकाश को लटकते देखा। वह घबराकर घर की ओर भागा और परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और ओमप्रकाश को जिंदा समझकर पेड़ से उतारा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। महिलाएं और बच्चे बिलखने लगे। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के दो बेटे और दो बेटियां हैं।

अपने लड़के को बचाना चाहते हो तो एक लाख रुपए भेजो

डमरुआ निवासी शेषमणि हुए ठगी के शिकार, पुलिस को लिखित सूचना दे बताई आप बीती

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर तुम्हारा लड़का हत्या के केश में बंद हो गया है,अगर छुड़ाना चाहते हो तो एक लाख रुपया मेरे बताए हुआ खाते में भेज दो ।मै क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर मनीष वर्मा बोल रहा हूं। फोन का संदेश सुनकर घबराए हुए थाना सिकरारा के गांव डमरुआ निवासी शेषमणि ने स्टेटबैक की मछलीशहर शाखा में बुधवार को दोपहर में आकर 28500 रुपए बताए गए खाते में ट्रांसफर करने के बाद बाकी पैसा का इंतजाम करने में लगे थे कि बेटे को फोन कर उसकी कुशलता पूछा तो बेटे का जबाव सुनकर ठगे जाने का अहसास हुआ और मछलीशहर कोतवाली में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। मामले के बाबत प्रभारी निरीक्षक विनीत राय ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर साइबर अपराध का मुकदमा दर्ज किया गया है ।भेजी गई धनराशि होल्ड करवा दिया गया है। ठगी के शिकार शेषमणि को शीघ्र ही धनराशि वापस करा दी जाएगी।

प्रशासन ने बवाल को देखते हुए रातों रात बनवा दी सुरक्षा के लिए दीवार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर बुधवार को तहसील के पीछे शाही रोड पर धार्मिक चबूतरे की सुरक्षा के लिए बनाई गई दीवार को नगर पंचायत द्वारा गिराया गया। दीवार को पुलिस प्रशासन ने बढ़ते बवाल को देखते हुए रात ही में बनवा दिया है। सरजू देवी पत्नी हरिश्चन्द्र तहसील के पीछे शाही रोड पर घर है। घर के पास एक चबूतरे पर कई वर्षों से मूर्ति रख कर पूजा की जाती है। उसी की सुरक्षा के लिए एक दीवार हाल ही में बनाई गई है ।सरजू देवी के घर के बगल हाजी सिद्दीक के बेटे का अस्पताल संचालित हो रहा है। बुधवार को सायं काल प्रशासनिक अधिकारियों ने उक्त दीवार को सड़क पर हुए अतिक्रमण को मानते हुए गिरवा दिया। मामला दो समुदाय के लोगों के बीच चल रहे विवाद जुड़ा हुआ होने के कारण हिन्दू पक्ष ने मंदिर को क्षति पहुंचाने का आरोप लगाते हुए हिंदू संगठन के लोगों को सूचना देकर मौके पर बुला लिया। मौके पर पहुंचे लोगों द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा था । स्थिति बिगड़ती देख फोर्स मौके पर बुलाई गई। सी ओ प्रतिमा वर्मा रात में ही मौके पर फोर्स के साथ पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया। क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा ने बताया कि रात में कुछ लोगों द्वारा उक्त स्थान पर नवनिर्मित दीवार को गिराए जाने का विरोध किया जा रहा था। शांति व्यवस्था को देखते हुए दीवार का निर्माण कराया गया है। अब मौके पर शांति हैं।

कच्चा मकान ढहने से पशु की मौत, युवती घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के लालापुर गांव में एक कच्चा मकान ढहने से एक पशु की मौत हो गयी जबकि एक युवती घायल हो गई। मकान ढहने के दौरान परिवार के अन्य सदस्य बाहर भागने में सफल रहे, लेकिन युवती श्वेता मलबे के चपेट में आकर घायल हो गई। पशुशाला में बंधा भैंसा मलबे के नीचे दबकर मर गया, जिससे पशुपालक को आर्थिक क्षति हुई। घटनास्थल पर जुटे ग्रामीणों ने राहत कार्य शुरू किया और घायल युवती को घरेलू उपचार दिया गया।

राज्यपाल व सीएम योगी ने काशी में किया प्रधानमंत्री का स्वागत

मॉरीशस के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए काशी पहुंचे पीएम मोदी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को 'अपनी काशी' पहुंचे। वे यहां मॉरीशस के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए आए हैं। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचने पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। एयरपोर्ट से पीएम हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन पहुंचे। यहां से ताज होटल के लिए निकले प्रधानमंत्री के काफिले का भाजपा कार्यकताओं व आमजन ने शंखनाद, हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। पीएम मोदी ने भी हाथ हिलाकर काशीवासियों का अभिवादन किया। रास्ते में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए कलाकारों ने भी उनका स्वागत किया। वहीं द्विपक्षीय वार्ता के लिए मॉरीशस के प्रधानमंत्री बुधवार को ही प्रतिनिधिमंडल के साथ वाराणसी पहुंच गए थे। काशीवासियों व भाजपा कार्यकताओं ने पूरे रास्ते में किया स्वागत पुलिस लाइन से निकलते ही भाजपा की महिला कार्यकताओं, पदाधिकारियों और काशीवासियों ने अपने सांसद व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया। बटुकों ने शंखनाद, भाजपा कार्यकर्ता और लोगों ने ढोल-नगाड़ों के बीच उनका स्वागत किया। हर- हर महादेव के जयकारे से काशी गूंजती रही। जीएसटी में सुधार के बाद पहली बार वाराणसी पहुंचे प्रधानमत्री का आभार जताने के लिए रास्ते में जीएसटी और धन्यवाद लिखी तख्ती लेकर भाजपा कार्यकर्ता खड़े रहे।

वाराणसी में पुलिस मुठभेड़ में तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार, दो को लगी गोली

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बड़ागांव थानाक्षेत्र के कोईराजपुर अंडरपास के पास बुधवार रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई ।इस दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में दो बदमाश घायल हो गए,गिरफ्तार बदमाशों का आपराधिक इतिहास लंबा है, और वे हाईवे पर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि शातिर बदमाश एक सफेद कार से कोईराजपुर की ओर जा रहे हैं। इसके बाद बड़ागांव पुलिस ने अंडरपास के पास चेकिंग शुरू की ।तभी एक कार आती दिखी,जो पुलिस को देखकर सर्विस लेन की ओर मुड़ी और रिंग रोड की तरफ भागने लगी। कार सड़क किनारे बालू में फंसकर रुक गई। कार से उतरे दो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी और खेतों की ओर भागने लगे। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी। जबकि तीसरे को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया ।गिरफ्तार बदमाशों की पहचान प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र के कसेरुआ निवासी मोहम्मद गुफरान,मेंहरौदी निवासी दीपक सिंह और लीलापुर थाना क्षेत्र के चमरूद्दीन शुक्लान निवासी तौकीर के रूप में हुई। घायल बदमाशों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि वे देर रात हाईवे पर ट्रकों को निशाना बनाकर लूटपाट करते थे ।बाहर के चालकों के स्थानीय थाने में शिकायत न करने का फायदा उठाकर वे वारदात को अंजाम देते थे ।हाल ही में जंसा थाना क्षेत्र में ट्रक चालक से मोबाइल और नकदी लूटने की घटना में भी इनकी संलिप्तता सामने आई है। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल, एक होंडा सिटी कार और तमंचा बरामद किया है। मोहम्मद गुफरान के खिलाफ प्रयागराज, आजमगढ़, बस्ती, बुलंदशहर, हमीरपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर और अमेठी के विभिन्न थानों में 20 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं दीपक सिंह के खिलाफ प्रयागराज, अयोध्या और जौनपुर में 6 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की गहन जांच कर रही है।

रिकवरी न करने पर तहसीलदार को कोर्ट ने किया तलब, मांगा स्पष्टीकरण

वादी के पुत्र की सड़क दुर्घटना में मौत के मामले में गाड़ी मालिक से 14 लाख रुपए की रिकवरी न करने पर कोर्ट सख्त

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार के हुसैनाबाद निवासी राम प्रसाद के बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत के मामले में गाड़ी मालिक के खिलाफ क्षतिपूर्ति का आदेश दिया गया था?।आदेश का अनुपालन न करने पर अधिकरण कोर्ट ने जरिये कलेक्टर आरसी जारी किया। 14 लाख रुपये क्षतिपूर्ति की धनराशि की वाहन स्वामी से रिकवरी न करने पर कोर्ट ने तहसीलदार से स्पष्टीकरण मांगते हुए आख्या के साथ 10 अक्टूबर को व्यक्तिगत रूप से तलब किया है। हाजिर न होने पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी। बता दें की वादी का पुत्र 25 मई 2018 को कार नंबर यूपी 62 ए वाई 0749 पर बैठकर शाहगंज जा रहा था। कार पवन मोदनवाल चला रहा था। जैसे ही कार शाहगंज के सबरहद पेट्रोल पंप के पास पहुंची कि कार चालक की तेजी व लापरवाही के कारण कार ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में पेट्रोल पंप के पास खड़ी गाड़ी में टकरा गई जिससे याची रामप्रसाद के पुत्र को गंभीर चोटें आई। जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने कार नंबर यूपी 62 ए वाई 0749 के मालिक व चालक के खिलाफ याचिका दाखिल किया। कोर्ट ने 6 अप्रैल 2023 को वाहन स्वामी पुष्पा पांडेय पत्नी दिवाकर पांडेय निवासी गहोरा, रामदायलगंज के खिलाफ क्षतिपूर्ति का आदेश दिया। गाड़ी का बीमा नहीं था। धनराशि अदा न करने पर याची द्वारा वसूली के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया। कोर्ट ने आरसी जारी की लेकिन डेढ़ वर्ष बीत जाने के बावजूद अनुपालन नहीं हुआ। जिस पर कोर्ट ने तहसीलदार को स्पष्टीकरण के साथ तलब किया है।

समाज कल्याण अधिकारी का फंदे से लटका मिला शव

घटना से पूर्व पत्नी से फोन पर हुआ था विवाद

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। प्रतापगढ़ के नगर कोतवाली क्षेत्र के पूरे केशवराय गांव में आजमगढ़ जिले में तैनात जिला समाज कल्याण अधिकारी आशीष सिंह (40) ने गुरुवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आशीष की पत्नी क्षमता वर्तमान में सुल्तानपुर जिले में अपने मायके में हैं। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच फोन पर किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद आशीष ने यह आत्मघाती कदम उठाया। जानकारी के मुताबिक, आशीष सिंह पिछले शनिवार को आजमगढ़ से अपने गांव आए थे और गुरुवार को ड्यूटी पर वापस जाने की तैयारी कर रहे थे। ग्राम प्रधान शिवाजीत सिंह ने बताया कि आशीष, गांव के राम बहादुर सिंह के पुत्र थे और आजमगढ़ में जिला समाज कल्याण अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उनके तीन वर्षीय एक बेटा भी है।

गुरुवार को पत्नी के साथ फोन पर हुए विवाद के बाद आशीष ने घर में जाकर फांसी के फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस दुखद घटना से गांव में शोक की लहर है।

साइबर फ्राड करने वाले गैंग के मुख्य सरगना सहित 04 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना साइबर क्राइम पुलिस टीम द्वारा डछ पर फर्जी आई0डी0 बनाकर फ्लैट/कमरा बुकिंग व सामान खरीदने-बेचने के नाम पर हजारों लोगों के साथ साइबर फ्राड करने वाले गैंग के मुख्य सरगना सहित 04 आरोपी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से साइबर ठगी में प्रयुक्त होने वाले इलेक्ट्रानिक उपकरण बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में साइबर अपराध पर प्रभावी नियन्त्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में व अपर पुलिस अधीक्षक नगर/नोडल साइबर क्राइम जौनपुर के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम के निकट पर्यवेक्षण में साइबर अपराध व साइबर अपराधियों पर अंकुश एवं प्रभावी नियन्त्रण बनाये रखने हेतु अभियान के क्रम में 10.09.2025 को थाना साइबर क्राइम जनपद जौनपुर पुलिस द्वारा डछ पर फर्जी आई0डी0 बनाकर फ्लैट/कमरा बुकिंग व सामान खरीदने-बेचने के नाम पर हजारो लोगों के साथ साइबर फ्राड करने वाले गैंग के मुख्य सरगना सहित 04 आरोपी गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों द्वारा देश के भिन्न-भिन्न राज्यों में इनके विरुद्ध अब तक जांच से 15 साइबर ठगी (एन0सी0आर0पी0 कम्प्लेन) के मामले दर्ज हैं।

आह्वान फाउंडेशन ने बिहार की 32,000 परिवारों को सहायता पहुंचाई

बिहार। आह्वान फाउंडेशन ने हाल ही में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित बिहार के 32,000 परिवारों को आवश्यक राहत किट वितरित करने की सफल पहल की है। यह पहल उन लाखों लोगों की मदद हेतु शुरू की गई थी, जिन्हें लगातार भारी बारिश के कारण अपने घरों से विस्थापित होना पड़ा। लगभग 25 लाख लोग इस आपदा से प्रभावित हुए हैं, और यह राहत कार्य उन्हें तात्कालिक मानवीय सहायता प्रदान करने हेतु चलाया गया।

ब्रजा किशोर प्रधान संस्थापक आह्वान फाउंडेशन ने कहा, हम इस संकट की घड़ी में हम बिहार के लोगों के साथ खड़े हैं। जब कोई परिवार बाढ़ में सब कुछ खो देता है, तो उसे सिर्फ भोजन ही नहीं, यह एहसास भी चाहिए होता है कि वह अकेला नहीं है। हर राहत किट के साथ हम चिंता, आशा और एकजुटता का संदेश लेकर जाते हैं। एक बच्चे की आँखों की चमक और एक माँ की आँखों के आँसू हमें याद दिलाते हैं कि छोटे-छोटे प्रयास भी इंसानियत में विश्वास को पुनः जगा सकते हैं। हमारा संकल्प केवल तात्कालिक राहत तक सीमित नहीं है, बल्कि हम उनके जीवन में फिर से गरिमा और आशा लौटाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत से मैदान में मौजूद हैं कि सहायता वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुँचे। हर राहत किट में भोजन, पानी, स्वच्छता सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। इन किटों को विशेष रूप से उन परिवारों की तात्कालिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है जो बाढ़ की त्रासदी से जूझ रहे हैं। वितरण अभियान बिहार के सबसे अधिक प्रभावित जिलों – पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, खगड़िया, भागलपुर, मधेपुरा, मुंगेर, कटिहार, समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा और बेगूसराय – में सक्रिय रूप से चलाया गया है।

सिलेंडर कालाबाजारी में जेल गए राम मिलन यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना महाराजगंज क्षेत्र के गद्देपुर निवासी राम मिलन यादव को सिलेंडर कालाबाजारी में आज जेल भेज दिया गया।

विदित हो कि आरोपी राम मिलन यादव काफी दिनों से सिलेंडर कालाबाजारी करने की सूचना पर पूर्ति निरीक्षक राजकरण सिंह छापा मारकर भारी संख्या में सिलेंडर बरामद किया जो कालाबाजारी के लिए रखा गया था, तो पूर्ति निरीक्षक राजकरण सिंह ने महाराजगंज थाना पर दिनांक 14/12/2007 को मुकदमा अपराध संख्या 503/2007 धारा 3/7 ई सी एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराया। मामला कोर्ट में चलने पर आरोपी के खिलाफ अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम प्रदीप सिंह ने दिनांक 19/02/21 को अभियुक्त राम मिलन यादव को सिलेंडर कालाबाजारी में धारा 3/7 ई सी एक्ट के दंडनीय अपराध के लिए 1 वर्ष के साधारण कारावास तथा मु 5000/रुपए के अर्थदंड से दंडित किया और अर्थदंड न जमा करने पर एक माह के अतिरिक्त सजा सुनाई। सजा के खिलाफ आरोपी राम मिलन यादव ने अपर जिला जज चतुर्थ के यहां अपील दाखिल किया जहां पर सुनवाई के बाद अपर जिला जज चतुर्थ/स्पेशल जज ई सी एक्ट मो.शरिक सिद्दीकी लखर ने आज मुकदमा नंबर 659/2010 धारा 3/7 ई सी एक्ट में दिनांक 11 सितंबर को फैसला सुनाया कि आदेश दिनांक 19/02/21 की पुष्टि की जाती है सजा को बहाल रखा गया। आरोपी राम मिलन यादव को आज अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम मुहम्मद अहमद आरोपी राम मिलन यादव को जेल भेज दिया। अभियोजन पक्ष के तरफ से पैरवी विशेष लोक अभियोजक अधिकारी ई सी एक्ट राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने किया।

मुंबई प्रांतीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा का हिंदी दिवस सम्मान समारोह 13 को

हिंदी पत्रकारिता, साहित्य और शिक्षा के अग्रदूत होंगे सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई प्रांतीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा द्वारा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार, 13 सितंबर 2025 को किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सायं 4 से 6 बजे तक श्री नजमा हेपतुल्लाह वेलफेयर हॉल, एस. बैंक के पास, सांताक्रुज हाईवे, सांताक्रुज (पूर्व), मुंबई झ 55 में आयोजित होगा। समारोह की अध्यक्षता प्रख्यात विद्वान डॉ. विपिनचंद्र मेहता करेंगे। संस्था के मंत्री और संचालक ब्रजेश तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर हिंदी पत्रकारिता, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, शिक्षा और साहित्य में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विद्वानों को सम्मानित किया जाएगा। स्व. कांतिलाल जोशी स्मृति सम्मान गुजरात प्रांतीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा के मंत्री संचालक शरद अरविंद जोशी को प्रदान किया जाएगा। वहीं अखिल भारतीय हिंदी सेवी सम्मान से यशोभूमि के संपादक श्रीनारायण तिवारी, टीवी.9 महाराष्ट्र के ब्यूरोचीफ जयप्रकाश सिंह, सुप्रसिद्ध शिक्षाविद एवं साहित्यकार दिनेश भट्ट और सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् और साहित्यकार प्रो. दयानंद तिवारी को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक संस्था के कोषाध्यक्ष डॉ. महेंद्र मिश्र हैं। सभा ने सभी गणमान्य नागरिकों, विद्वानों और हिंदीप्रेमियों से अपील की है कि वे इस अवसर पर पधारकर कार्यक्रम की गरिमा और सफलता में सहभागिता निभाएँ। यह जानकारी प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी ने दी है।

टेंडर्स हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में बाल कवि सम्मेलन का आयोजन

पटना(उत्तरशक्ति)। लायन्स क्लब ऑफ पटना संस्कृति के सौजन्य से टेंडर्स हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत बाल कवि सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी साहित्य से जुड़े जाने-माने साहित्यकार तथा लायन्स क्लब के पदाधिकारी उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को हिंदी भाषा एवं साहित्य के महत्व से अवगत कराया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने, हिंदी कविता एवं साहित्य के प्रति उनकी रुचि बढ़ाने तथा मातृभाषा हिंदी के प्रति गर्व और सम्मान की भावना जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। मौके पर हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार डॉ. ध्रुव कुमार, आज अखबार के मुख्य संपादक दीपक पांडे, टेंडर्स हार्ट इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य सह लायन्स क्लब संस्कृति अध्यक्ष ला. शिवानी भार्गव, सेक्रेटरी ला. रोहित शंकर, जोन चेयर ला. राजीव भार्गव, लाइन सोनिया सिंह मौजूद रहे। सम्मेलन के दौरान कक्षा 6 के छात्र आर्यन कुमार ने राष्ट्रीय कवि रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित महाकाव्य रश्मिरथी के तीसरे सर्ग झ कृष्ण की चेतावनी का भावपूर्ण वाचन किया। वहीं कक्षा 7 की छात्रा नंदिनी ने महादेवी वर्मा की प्रसिद्ध रचना नीर भरी दुःख की बदली प्रस्तुत की।

भारत प्रवास अवॉर्ड्स 2025 में यात्री परिवहन क्षेत्र की उत्कृष्टता का सम्मान, श्री नितिन गडकरी ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। बस एंड कार ऑपरेटर्स कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (BOCI) ने आज भारत मंडपम, नई दिल्ली में भारत प्रवास अवॉर्ड्स 2025 का सफल आयोजन किया। इस अवसर पर सरकार, उद्योग और मोबिलिटी इकोसिस्टम की कई दिग्गज हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर रेडबस के सीईओ प्रकाश संगम, टाटा मोटर्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर गिरीश वाघ, इंडियन टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन (आईएटीए-क्अळअ) के प्रेसिडेंट सतीश सेहरावत और ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी-अक्टळउ) के प्रेसिडेंट डॉ. हरीश सभरवाल भी उपस्थित रहे। इडउक के वरिष्ठ नेतृत्व में चेयरमैन जगदेव सिंह खालसा, प्रेसिडेंट प्रसन्ना पटवर्धन, नेशनल वाइस-प्रेसिडेंट मोहम्मद अफजल, जनरल सेक्रेटरी डी.आर. धर्मराज, ट्रेजरर हर्ष कोटक और एमएम एक्टिव साइ-टेक कम्युनिकेशन्स के एग्ज़िक्यूटिव चेयरमैन एवं कार्यक्रम क्यूरेटर जगदीश पाटणकर शामिल रहे। भारत प्रवास अवॉर्ड्स, जिसका आयोजन पहले द्विवार्षिक प्रवास कार्यक्रम के साथ किया जाता था, अब हर साल आयोजित होंगे। इन अवॉर्ड्स का उद्देश्य यात्री परिवहन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संगठनों और व्यक्तियों को सम्मानित करना है। यह पहल प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के विजन से जुड़ी है और उन योगदानकर्ताओं को पहचान देती है, जो आधुनिक, समावेशी और टिकाऊ ट्रांसपोर्ट सिस्टम के निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

इस साल रेडबस लीड पार्टनर के रूप में जुड़ा। देशभर से 230 से अधिक संगठनों और व्यक्तियों ने इसमें हिस्सा लिया, जिनमें से 63 विजेताओं को सम्मानित किया गया। सबसे खास आकर्षण रहा पीपुल्स चॉइस अवॉर्ड्स, जिसे रेडबस ने बस ऑपरेटरों के अहम योगदान को मान्यता देने के लिए शुरू किया। इस श्रेणी के अंतर्गत राइजिंग स्टार अवॉर्ड्स (तेजी से बढ़ रहे और इनोवेशन लाने वाले ऑपरेटरों के लिए) और रळव अवॉर्ड्स (स्टेट ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग्स की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए) दिए गए। जनता की भागीदारी और डेटा-आधारित मूल्यांकन से चुने गए ये अवॉर्ड्स और भी खास बन गए। इसके अलावा प्रवास एक्सीलेंस अवॉर्ड्स के तहत 44 विजेताओं को संचालन, सेवा, टेक्नोलॉजी अपनाने और स्थिरता जैसे क्षेत्रों में उनके बेहतरीन कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

आज की युवा पीढ़ी में संक्रमण की तरफ फैल रहा है तनाव: सीमा सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग एवं वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में संकाय भवन के कांफ्रेंस हाल में विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह के दूसरे दिन तनाव प्रबंधन कार्यशाला एवं काउंसलिंग कैम्प सुनना और समझना का आयोजन हुआ। वक्ताओं ने जीवन में तनाव मुक्त रहने के टिप्स भी दिए. विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह की थीम आत्महत्या के विषय पर दृष्टिकोण और संवाद को बदलना है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता जिला महिला अस्पताल की काउंसलर सीमा सिंह ने कहा कि एचआईवी पीड़ितों में आत्महत्या की प्रवृत्ति आजकल बहुत अधिक देखने को मिल रही है। इसके बचाव के लिए उनकी निरंतर काउंसलिंग की जा रही है ताकि उनकी सोच में परिवर्तन लाया सके। पीड़ितों को काउंसलिंग के दौरान खुश रहने की भी टिप्स दिए जाते हैं और उसके सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने एक शोध का हवाला देते हुए कहा कि 40 प्रतिशत लोगों के जीवन में कभी न कभी एक बार आत्महत्या करने का विचार जरूर आता है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी में तनाव संक्रमण की तरफ फैल रहा है जिसका मुख्य कारण परिवार और समाज में पारंपरिक संस्कारों के प्रवाह का विकृत रूप होना है। अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो.मनोज मिश्र ने विद्यार्थियों से श्री रामचरितमानस के विभिन्न संदर्भो की याद दिलाते हुए जीवन में सकारात्मकता लाने की सलाह दी।उन्होंने कहा कि यह देश युवाओं का है और विकसित भारत तब और बुलंदी पर होगा जब हमारे युवा सकारात्मकता एवं प्रसन्नता से परिपूर्ण होंगे। नोडल अधिकारी प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि आजकल युवाओं में विभिन्न कारणों से तनाव तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। पारिवारिक समस्याएं, आपसी संबंधों में दरार, परीक्षा परिणाम का दबाव और बढ़ती प्रतिस्पर्धा उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। केवल विद्यार्थी ही नहीं, आम आदमी भी आर्थिक समस्याओं और रोजमर्रा की जटिलताओं के कारण तनावग्रस्त होता जा रहा है। संदेश दिया कि सकारात्मक सोच कभी नकारात्मकता से हारती नहीं है।कार्यक्रम का संचालन व्यवहारिक मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिका एवं परामर्श केंद्र की प्रभारी डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, ज्योति सिंह, सविता सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विकसित भारत की परिकल्पना के संदर्भ में शासन द्वारा अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समृद्धि शताब्दी पर्व 2047 विकसित भारत की परिकल्पना के संदर्भ में शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी सेवानिवृत्त आईपीएस राजकुमार विश्वकर्मा, सेवानिवृत्त आईपीएस प्रमोद कुमार, सचिव मानवाधिकार आयोग धनलक्ष्मी, सेवानिवृत प्रोफेसर पूर्वांचल विश्वविद्यालय धरनीधर दुबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 सुरेश क न्नौजिया, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ सहित अन्य की उपस्थिति में प्रबुद्धजन के साथ अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। अतिथियों के द्वारा कार्यशाला का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन कर किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। कार्यशाला में सबसे अधिक जीएसटी जमा करने वाले उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र, सीएम युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों को सांकेतिक रूप से चेक और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के लाभार्थी मोहम्मद मुस्लिम रीना गौतम, अन्य लाभार्थियों को सांकेतिक चेक सहित खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मीड डे मील हेतु शिक्षिकाओं ज्योति यादव, श्रेया श्रीवास्तव, रश्मि श्रीवास्तव सहित अन्य को प्रतीकात्मक रूप से अचार दिया गया जो स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाई गई थी। सेवानिवृत्त आईपीएस

राजकुमार विश्वकर्मा ने कहा कि जनपद में दो दिनों के प्रवास के दौरान विकास की अपार संभावनाएं परिलक्षित हुईं तथा उन्होंने कृषि के क्षेत्र में फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने, उद्यम के क्षेत्र में नवाचार आदि के संबंध में अपने सुझाव दिए। सचिव मानवाधिकार आयोग श्रीमती धनलक्ष्मी ने कहा कि जनपद जौनपुर में प्रतिभा कूट कूट कर भरी हुयी है। जनपद के लोग विभिन्न क्षेत्रों में देश विदेश में प्रतिष्ठित पदों को सुशाभित कर रहे है। उन्होने कहा कि जनपद प्रवास के दौरान ज्ञात हुआ कि जनपद के लोगों में अद्वितीय बुद्धिमत्ता है जो विकसित भारत में अपना बहुमुल्य योगदान करेंगे। जनपद के वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या से लगे होने के कारण पर्यटन में अपार सम्भावनाए है। जनपद भगौलिक दृष्टिकोण से भी सम्पन्न है। अध्यक्ष आइआइए डा0 बृजेश यादव शिक्षाविदों, ग्राम प्रधान संघ, छात्रगण उद्यमीगण आदि ने विकसित भारत के सम्बन्ध में अपने बहुमूल्य सुझाव दिये। जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारीगण के मार्गदर्शन तथा अमूल्य सुझाव हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया और उपस्थित समस्त का आभार जताया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, उपायुक्त उद्योग, जिला विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सांसद ने उप मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के बंगरा गांव के अमर शहीद देवशरण सिंह स्मारक परिसर में 14 सितंबर को निर्धारित तिथि 14 सितंबर को बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कार्यक्रम को लेकर कार्यक्रम स्थल की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री सांसद के स्थानीय सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल व अन्य गणमान्य के साथ नवनिर्मित शहीद भवन का उद्घाटन करेंगे। एक करोड़ की लागत से तैयार शहीद सम्मान भवन का जनता के लिए लोकार्पण करेंगे। सांसद सीग्रीवाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय व सवर्ण आयोग के अध्यक्ष पूर्व मंत्री डॉ महाचंद्र प्रसाद सिंह सहित सभी सांसद व विधायक कार्यक्रम में शामिल होंगे। सांसद ने कार्यक्रम स्थल पर सभी तैयारियों का जायजा लिया। सांसद ने पार्टी के सदस्यों से एक-एक कर बातचीत किया। यह पूरे ग्रामवासियों के लिए गर्व की बात है। सांसद ने कार्यक्रम को ले बैनर, पोस्टर व होर्डिंग लगाने व तोरण द्वार लगाने का निर्देश कताओं को दिया। मौके पर भाजपा पूर्वी जिलाध्यक्ष रंजीत प्रसाद, नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह, डॉ अजय कुमार, संजय सिंह राजपूत, धर्मराज कसेरा,डॉ मनोहर सौरभ, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आनंद शंकर, उपाध्यक्ष गुड्डू चौधरी, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष जय किशोर साह, आजाद सिंह व झब्लू सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

बीस चुनाव को लेकर डीएम एसपी के नेतृत्व में निकाली गई जागरूकता रैली

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज विधानसभा के मतदाताओं को निर्भीक होकर मतदान करने के लिए वृहस्पतिवार को मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। जिसे जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ आदित्य प्रकाश और एसपी मनोज कुमार ने झंडा दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता का प्रतिशत विधानसभा चुनाव में बढ़ाना प्रशासन और चुनाव का लक्ष्य है, ताकि सरकार गठन की प्रक्रिया में सबकी भागीदारी हो सके। उन्होंने मतदाताओं को बिना भय के मतदान करने की अपील की। जागरूकता रैली में महाराजगंज अनुमंडल की सभी प्रखंड व थाना की अधिकारी शामिल थे। विधानसभा क्षेत्र के सभी थानाध्यक्षों एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक भी की गई। आवश्यक निर्देश भी दिए गए। वोट के लिए प्रलोभन देने वालों को चिह्नित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने बूथों पर बिजली, शौचालय, पेयजल, रैप, फर्नीचर आदि मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था करने का आदेश दिया। इस मौके पर सदर एसडीओ अनिता कुमारी, महाराजगंज अनुमंडल के एसडीपीओ डीसीएलआर , अमन आनंद,सीओ महाराजगंज सर्किल इंस्पेक्टर अमरेंद्र कुमार,जितेंद्र कुमार पासवान, महाराजगंज थाना अध्यक्ष सुनील कुमार, के अलावा दरौंदा, भगवानपुर, गोरिया कोठी, बसंतपुर, लकड़ी नवीगंज के सभी बीडीओ, सीओ, व थानाध्यक्ष शामिल थे।

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवॉर्ड्स के साथ की साझेदारी

मुंबई। ब्लेंडर्स प्राइड (पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर) ने फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवॉर्ड्स 2025 के साथ अपनी प्रमुख साझेदारी की घोषणा की। दो प्रतिष्ठित शक्तियों का यह मिलन एक शानदार मंच तैयार करता है, जो फैशन, स्टाइल और मनोरंजन की बेहतरीन दुनिया पर रोशनी डालता है। दशकों से ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर, ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर के साथ फैशन और लाइफस्टाइल की दुनिया में एक अमिट शक्ति रहा है। फिल्मफेयर भारत की लंबे समय से स्टाइल और मनोरंजन की आवाज रहा है, जिसने पीढ़ियों से स्टारडम की परिभाषा तय की है। दोनों ने मिलकर ऐसा मंच तैयार किया, जहां विजेता वे बने जो निडर आत्मविश्वास बिखेरते हैं, अपनी स्टाइल स्टेटमेंट से सबको पीछे छोड़ देते हैं और द वन एंड ओनली होने की असली भावना को जीते हैं। स्टाइल और ग्लैमर की दुनिया में अपनी मजबूत मौजूदगी को दोहराते हुए, ब्रांड ने उभरते हुए आइकन्स को भी खास सम्मान से नवाजा। झ फेस ऑफ फैशन, लिमिटलेस टैलेंट का अवॉर्ड ईशान खट्टर को मिला, मोस्ट डिजायरेबल (फीमेल) का खिताब तमन्ना भाटिया को दिया गया और बेस्ट यूथ आइकन (फीमेल) का सम्मान अनन्या पांडे को मिला झ ये सभी अवॉर्ड्स ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर द्वारा प्रस्तुत किए गए। पर्नोड रिकार्ड इंडिया के जनरल मैनेजर - मार्केटिंग इशविंदर सिंह ने कहा, ब्लेंडर्स प्राइड (पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर) हमेशा से फैशन, स्टाइल और ग्लैमर की दुनिया में अग्रणी रहा है। फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवॉर्ड्स के साथ हमारी साझेदारी उन लोगों को सम्मानित करती है, जो संस्कृति में नए ट्रेंड स्थापित करते हैं, यह परिभाषित करते हैं कि क्या इन-व्होग है और द वन एंड ओनली होने की पहचान को जीते हैं।

नंद घर ने किया पोषण माह का शुभारंभ, 3.5 लाख परिवार हुए शामिल

नई दिल्ली। वेदांता की प्रमुख सामाजिक प्रभाव पहल नंद घर एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम है, जो आंगनवाड़ियों को आधुनिक बनाकर उन्हें समुदाय विकास के जीवंत केंद्रों में बदल रहा है। यह कार्यक्रम पोषण, प्रारंभिक बाल शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ और महिला सशक्तिकरण जैसी एकीकृत सेवाएँ प्रदान करता है, ताकि समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से, नंद घर ने पोषण माह 2025 के उपलक्ष्य में एक मासिक अभियान शुरू किया है, जो 15 राज्यों में 3.5 लाख से अधिक परिवारों तक पहुंचेगा। पोषण से प्रगति विषय पर आधारित यह अभियान जागरूकता बढ़ाने, स्वस्थ आदतों को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण समुदायों को सरल व सतत पोषण समाधान अपनाने के लिए प्रेरित करेगा, जिससे ग्रामीण भारत में कुपोषण से लड़ने में मदद मिलेगी। नंद घर की पोषण रणनीति तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है। जिसमें प्रत्यक्ष पोषण सहायता यह सुनिश्चित करती है कि ग्रामीण भारत के बच्चों को जीवन की स्वस्थ शुरूआत मिले, फोर्टिफाइड सप्लीमेंट्स और न्यूट्री बार्स तथा प्रोटीन शेक जैसी नवाचारों के माध्यम से। साथ ही, यह पहल परिवारों तक सरकारी पोषण योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित करती है। सामुदायिक जागरूकता यह अभिभावकों को प्रशिक्षण, परामर्श और बच्चों की वृद्धि की निगरानी के माध्यम से सशक्त बनाती है, साथ ही परिवारों को सीखने और स्थानीय स्रोतों और देशज सामग्री का उपयोग कर सरल, सतत पोषण प्रथाओं को अपनाने के लिए सामुदायिक नेटवर्क में जोड़ती है। प्रौद्योगिकी एकीकरण और साझेदारियाँ झ यह समुदायों को आधुनिक उपकरणों और विश्वसनीय संस्थाओं से जोड़ती है, जिससे बच्चों की प्रगति का ट्रैक रखना, समय पर सहायता प्रदान करना और नवीन खाद्य समाधानों को अपनाकर रोजमर्रा के आहार को बदलना आसान होता है।

इस वर्ष 12 सितम्बर से, देशभर के नंद घर पोषण जागरूकता और व्यवहार के जीवंत केंद्रों में बदल जाएंगे। इस अभियान के तहत रेसिपी प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे, जिनमें परिवारों को स्थानीय रूप से उपलब्ध, कम लागत और पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही अभिभावक प्रशिक्षण सत्र भी होंगे, जिनमें आहार संबंधी प्रथाओं, मातृ स्वास्थ्य और बच्चों की वृद्धि की निगरानी पर ध्यान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, ह्लपोषण भी, पढ़ाई भीह्व अभियान के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे, जो यह दशाएँगे कि संतुलित आहार और बच्चों की बेहतर शिक्षा के परिणामों के बीच गहरा संबंध है।

नोबल हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
نوبل ہاسپیٹل اینڈ ریسرچ سنٹر
डा. शारिक नदीम
M.B.B.S., MD
FICC (Cardiology)
फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार
M.B.B.S., M.I.M.A
जनरल फिजिशियन
डा0 इरफान अहमद
B.U.M.S.CCH (Indore)
N.D.E.P.C.
Helpline- 6307493268
शुगर की जाँच
HbA1c की जाँच
हड्डी की जाँच (BMD)
नस की जाँच (Neuropathy)
फेफड़ों की जाँच (Spirometry)
यूरिक एसिड
कोलेस्ट्राल की जाँच
थायराइड की जाँच
आजमगढ़ रोड, निकट- सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पचहटियाँ, जौनपुर- 222001

मेडिकल कॉलेज में व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंची 9 विधायकों की कमेटी

गोहाना। गोहाना के खानपुर मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को विधानसभा की 9 सदस्यीय कमेटी ने विजिट कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कमेटी में कांग्रेस और बीजेपी के विधायक शामिल थे। निरीक्षण के दौरान सीवरेज व्यवस्था, बिजली की समस्या, खराब एसी, डॉक्टरों के उपकरणों की कमी और मरीजों को हो रही परेशानियों पर रिपोर्ट तैयार की गई। बरोदा के विधायक इंदुराज भालू ने मेडिकल कॉलेज की स्थिति पर नाराजगी जताई और इसे रेफरल का अड्डा बताया। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले ज्यादातर मरीजों को रोहतक रेफर कर दिया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2022 से एसी खराब हैं, हॉस्टल में बिजली नहीं है और बारिश में मेडिकल तालाब बन जाता है। इंदुराज ने कहा कि बजट की कमी से मेडिकल बदहाल हो गया है और बार-बार चिट्ठी लिखने के बावजूद सरकार बजट जारी नहीं कर रही। दूसरी ओर, कमेटी के चेयरमैन एवं भाजपा विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि सरकार की ओर से काफी काम हुआ है और छोटी-मोटी कमियां जल्द दूर की जाएंगी। उन्होंने एक महीने में पानी निकासी और सीवरेज व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया। इस पर मरीजों ने भी अव्यवस्थाओं पर रोष जताया। उन्होंने बताया कि केवल एक एक्स-रे मशीन चलने से घंटों इंतजार करना पड़ता है और कई लोग बिना इलाज कराए लौट जाते हैं।

निर्यातकों का प्रतिनिधिमंडल सांसद विनोद बिंद की अगुवाई में उद्योग मंत्री से मिला

0-कहा, अमेरिकी टैरिफ में वृद्धि से हस्तनिर्मित कालीन निर्यात प्रभावित, एमएआई योजना में देरी ने समस्याएं और बढ़ाई 0-20 लाख से अधिक बुनकर और कारीगर, जिनमें बड़ी संख्या महिलाएं हैं, अपनी आजीविका के 0-पीयूष गोयल ने निर्यातकों से एचएसएन कोड बनाने, नए अंतर्राष्ट्रीय बाजार विकसित करने और निर्यात प्रोत्साहन उपाय लागू करने के निर्देश दिए

वाराणसी. भदोही सांसद डॉ. विनोद कुमार बिंद के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय हस्तनिर्मित कालीन उद्योग के सामने आने वाली गंभीर समस्याओं और तत्काल नीतिगत जरूरतों को लेकर केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी से विस्तार से चर्चा की।

डॉ. बिंद ने बताया कि हस्तनिर्मित कालीन उद्योग 20 लाख से अधिक बुनकरों और कारीगरों को रोजगार देता है, जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं। यह न केवल व्यापार का क्षेत्र है, बल्कि ग्रामीण रोजगार, महिला सशक्तिकरण और भारत की सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाता है। अमेरिकी बाजार में बढ़े टैरिफ, एमएआई योजना में देरी, आयकर राहत (धारा 80एचएचसी), शुल्क वापसी और रोडटेप दरों में वृद्धि, ब्याज समकारी योजना (आईईएस) के संवर्धन, और तुर्की से मशीन-निर्मित कालीनों पर आयात शुल्क बढ़ाने जैसे मुद्दों को केंद्रीय मंत्रियों के समक्ष रखा।

सीईपीसी के अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ वृद्धि और निर्यात प्रोत्साहन योजना में देरी ने उद्योग को गंभीर संकट में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि यह केवल व्यापारिक चुनौती नहीं, बल्कि एक सामाजिक-आर्थिक आपातकाल है। एकमाध्यक्ष रजा खान ने हस्तनिर्मित कालीन उद्योग को ग्रामीण आजीविका के लिए कृषि के समान माना जाने की आवश्यकता पर जोर दिया और इसे विशेष उद्योग के रूप में मान्यता देने का आग्रह किया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आश्वासन दिया कि सरकार उद्योग की चिंताओं से पूरी तरह अवगत है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने अलग एचएसएन कोड बनाने, नए अंतर्राष्ट्रीय बाजार विकसित करने और निर्यात प्रोत्साहन उपाय लागू करने के निर्देश दिए। वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने भी वित्तीय मुद्दों की समीक्षा और उद्योग को समर्थन देने का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमंडल में सीईपीसी के अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल, प्रशासनिक सदस्य असलम महबूब, पीयूष कुमार बरनवाल, संजय गुप्ता, महावीर प्रताप शर्मा, एकमाध्यक्ष रजा खान और ओबीटी के प्रबंध निदेशक राजेश शर्मा भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने अपने समय, समर्थन और नेतृत्व के लिए डॉ. बिंद को विशेष धन्यवाद दिया और इस पहल को 20 लाख बुनकरों की आजीविका की रक्षा और उद्योग के स्थायित्व के लिए ऐतिहासिक कदम बताया।

हिंदुओं के खिलाफ नफरत फैलाने वाला हैदरी दल का संचालक गिरफ्तार

भोपालः बरेली पुलिस ने हैदरी दल के मुख्य संचालक अकबर खान को मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी इंस्टाग्राम पर दो अकाउंट और यूट्यूब पर एक चैनल चला रहा था, जिनके जरिए वह फेक न्यूज और धर्म विशेष के खिलाफ पोस्ट करता था।

पुलिस की जांच में सामने आया कि अकबर खान का उद्देश्य देशभर के मुसलमानों को हिंदुओं के खिलाफ भड़काना और समाज में नफरत फैलाना था। आरोपी ने पूछताछ में कबूला कि वह फर्जी फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करता था। इनमें मस्जिदों पर बुलडोजर चलने, मुस्लिम लड़कियों को भगवा लव ट्रैप में फंसाने जैसी झूठी कहानियां गढ़कर प्रचारित की जाती थीं। अकबर खान इंस्टाग्राम पर ह्यटीम हैदरी दल और हैदरी दल ऑफिशियल नाम से अकाउंट चलाता था, जबकि यूट्यूब पर राष्ट्रीय टीवी चैनल ऑपरेट करता था। इसके अलावा कई व्हाट्सऐप ग्रुप भी उसने बनाए थे।

विकसित उत्तर प्रदेश की अवधारणा को किया जाएगा साकार

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में शत-प्रतिशत करेंगे सहयोग-जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकसित भारत 2047 की अवधारणा को साकार करने हेतु उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान चलाकर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। जिसके क्रम में जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारीगण सेवानिवृत्त आईपीएस राजकुमार विश्वकर्मा, सेवानिवृत्त आईपीएस प्रमोद कुमार, सचिव मानवाधिकार आयोग श्रीमती धनलक्ष्मी, सेवानिवृत प्रोफेसर पूर्वांचल विश्वविद्यालय धरनीधर दुबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 सुरेश कनौजिया द्वारा जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र तथा पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ की उपस्थिति में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। संवाद कार्यक्रम के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने जनपद में अण्डा उत्पादन बढाने, दुग्ध उत्पादन बढाने हेतु नवाचार का प्रयोग और मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट लगाने, सहित अन्य सुझाव दिए गए, जिला मत्स्य अधिकारी ने जनपद में ब्रीडींग सेन्टर की स्थापना, मछलियों के लिए दाना उत्पादन की इकाई लगाने का सुझाव दिये। पर्यटन अधिकारी ने पर्यटन को बढावा देने के सन्दर्भ में अवगत कराया कि मां शीतला चौकियां धाम के सौन्दर्यीकरण करने का प्रस्ताव दिया गया हैं इसके साथ ही अन्य पर्यटन स्थलों के लिए प्रस्ताव दिए जा रहे है। उद्योगो के सन्दर्भ में सुझाव दिये गये कि जनपद में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना, एग्रो प्रोसेसिंग इन्डस्ट्रीज, हैवी इन्डस्ट्रीज की स्थापना, हेल्थ इन्डस्ट्रीज की स्थापना आदि की जाए इसके साथ ही अन्य विभागों के अधिकारियों द्वारा भी विजन 2047 को लेकर अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए गए।

एलडीएम ने अवगत कराया कि जनपद में युवाओं के पलायन को रोकने के लिए जिलाधिकारी के नेतृत्व में 1703 युवाओं को सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत ऋण वितरित किया गया है जिसमें से कई महिलाओं को भी योजना का लाभ दिया गया है। उन्होने अवगत कराया कि इस योजना में जनपद लगातार प्रथम स्थान पर है। जिसपर नोडल अधिकारीगण ने प्रसन्नता व्यक्त की।

पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ ने जनपद में पीएसी की स्थापना, पुलिस ट्रेनिंग सेन्टर की स्थापना, फायर सेन्टर की स्थापना आदि के सुझाव दिये। इस प्रकार विभिन्न विभागों के अधिकारीगण द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित सुझाव यथा कोल्ड चेन की स्थापना, अर्बन डेवलपमेंट, स्वास्थ्य, उद्यम बढ़ाने, रोजगार के अवसर उत्पन्न करने, समितियां के गठन इत्यादि के संबंध में नोडल अधिकारीगण के समक्ष रखें गए जिस पर उन्होंने अपने सुझाव को प्रस्तुत करते हुए कार्य योजना बनाने तथा उसके दिशा में कार्य करने हेतु प्रस्ताव देने इत्यादि हेतु निर्देश दिए।बैठक में राजकुमार विश्वकर्मा ने कहा कि आने वाले 22 वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति तथा उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास हेतु जनसहभागिता के माध्यम से फीडबैक प्राप्त करना अत्यंत उपयोगी होगा। जिससे विजन 2047 के सपने को साकार किया जा सके। उन्होंने ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा पहल की गई है कि अधिक से अधिक लोग सुझाव देकर यह साझा करें कि वर्ष 2047 में वे कैसा उत्तर प्रदेश देखना चाहते हैं। इसी आधार पर समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश की अवधारणा को साकार किया जाएगा ताकि आने वाली पीढ़ी को एक सशक्त, समृद्ध एवं प्रेरणादायी भारत और उत्तर प्रदेश मिले। उन्होंने ने कहा कि 2047 का उत्तर प्रदेश ऐसा होना चाहिए जहाँ-हर युवा को शिक्षा एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध हों। हर गाँव और शहर में आधुनिक आधारभूत सुविधाएँ हों। महिलाएँ सशक्त और आत्मनिर्भर हों। किसान समृद्ध हों और प्रदेश कृषि एवं उद्योग दोनों में अग्रणी बने। हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ हों। सांस्कृतिक धरोहर और परंपराएँ वैश्विक पहचान दिलाएँ। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच तथा नोडल अधिकारीगण के मार्गदर्शन से निश्चय ही हम इस संकल्प को पूरा कर पाएंगे, उन्होंने सभी अधिकारीगण की ओर से आश्वस्त कराया कि इस संकल्प को पूरा करने में हम अपना शत-प्रतिशत सहयोग देंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया, अपर जिलाधिकारी वि 0/रा0 राम अक्षयबर चौहान सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारीगण, कर्मचारीगण, कार्यदाई संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से किशोर की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहू कोतवाली क्षेत्र के खैरूद्दीनगंज मोहल्ले में शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां साइकिल से बाजार जा रहे किशोर को डीसीएम ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, खैरूद्दीनगंज निवासी 13 वर्षीय धीरज गुप्ता का पुत्र रुद्र गुप्ता साइकिल से बाजार जा रहा था। तभी घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर विपरीत दिशा से आ रही डीसीएम ने उसे रौंद दिया। हादसे में रुद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए रुद्र को वाराणसी भेजा गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। किशोर की मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सुबह से ही मोहल्ले और नगर के लोग गुप्ता परिवार के घर पहुंचकर सांत्वना देने में लगे रहे और शव का इंतजार करते रहे।

पत्रकार की माताश्री के निधन पर खेतासराय में शोकसभा, दी श्रद्धांजलि

-निशानाथ

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के इमामपुर गांव निवासी पत्रकार मुलायम सोनी की माताश्री इंद्रावती देवी (55 वर्ष) के असामयिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। गुरुवार को खेतासराय स्थित मीडिया कार्यालय पर एक शोकसभा आयोजित की गई, जिसमें पत्रकारों, समाजसेवियों और विभिन्न वर्गों के लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवार को धैर्य धारण करने की शक्ति देने की कामना की। शोकसभा की अध्यक्षता पत्रकार अजीम सिद्दीकी ने की। उन्होंने कहा कि इंद्रावती देवी धर्मपरायण, मृदुभाषी और समाजसेवा में सदैव अग्रणी रहीं। उनके व्यक्तित्व और योगदान को लोगों ने आदर्श महिला की संज्ञा दी। इंद्रावती देवी हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहती थीं और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई लंबे समय तक संभव नहीं होगी। सभा में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर आनंद कुमार सिंह, विवेक श्रीवास्तव,उमेश कुमार सिंह-बाबा सिंह, श्यामचंद्र यादव, यूसुफ खान, डॉ. सुरेश कुमार, राकेश शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

रामगढ़ पोखरी की नीलामी में गड़बड़ी 22300 में बोली लगाने वाले को 4 महीने बाद भी नही मिली रसीद

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रामगढ़ ग्राम पंचायत में पोखरी नंबर 299/301 की नीलामी का मामला सामने आया है। 8 मई 2025 को ग्राम प्रधान की अध्यक्षता मे हुई नीलामी में रिंकू शर्मा ने 22,300 रुपए की सबसे ऊंची बोली लगाई। रिंकू शर्मा ने बताया कि यह पोखरी की बोली 15 दिनों के लिए थी। ग्राम प्रधान ने बताया था की इसके बाद वह सड़क का निमार्ण किया जाएगा। इसी कारण उन्होंने अधिक बोली लगाकर पोखरी लिया मामले चार महीने बीत जाने के बाद भी रिंकू को अभी तक कोई रसीद नही मिली है। रिंकू का कहना है की उन्होंने पैसे ग्राम प्रधान को दे दिए थे प्रधान ने कहा था की सरकारी खाते में पैसा जमा होने के बाद रसीद मिलेगी ।जब इस मामले में ग्राम पंचायत सचिव से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है ।अब सवाल उठ रहा है कि आखिर वह पैसा सरकारी खाते में जमा क्यों नही हुआ और पैसा कहा गया।

स्कार्पियो व टैम्पो की भिड़ंत में चालक समेत दो घायल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत सुल्तानपुर मार्ग स्थित जहीरूद्दीनपुर गांव के समीप सड़क दुघर्टना में तेज रफ्तार स्कार्पियो ने टैम्पो में मारी टक्कर जिसमें चालक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। सरपतहा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत जहीरुद्दीनपुर गांव के समीप गुरुवार की दोपहर में सुरापुर बाजार निवासी 22 वर्षीय शिवम अग्रहरि पुत्र रमेश अग्रहरि अपनी टैम्पो में सवारी बैठा कर सुरापुर की तरफ जा रहें थे कि सामने से आ रही तेज रफ़्तार स्कार्पियो ने टक्कर मार दिया। जिसके चलते चालक शिवम व सरपतहा थाना क्षेत्र के अतरडीहा गांव निवासी 20 वर्षीय पिंकी पुत्री रामधारी गंभीर रूप से घायल हो गयी। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने 108 एम्बुलेंस की मदद से इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उक्त दोनों घायलों को बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

क्रिकेट मैच के दौरान स्टेडियम में धमाका, 1 की मौत, कई घायल, मची अफरा-तफरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक स्थानीय क्रिकेट मैच के दौरान काउसर क्रिकेट ग्राउंड, खार तहसील में अचानक जोरदार धमाका हुआ। इस धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य दर्शक और खिलाड़ी घायल हो गए हैं। घटना के बाद मैदान में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर मौजूद लोग दौड़ते हुए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। पाकिस्तानी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने पुष्टि की है कि यह धमाका IED (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से किया गया था। अधिकारियों का मानना है कि यह एक टारगेटेड अटैक था, जिसका मकसद वहां मौजूद आम जनता और खिलाड़ियों को निशाना बनाना था। धमाके के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को पूरी तरह घेर लिया और विस्फोट स्थल की जांच शुरू कर दी। धमाके का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि अचानक हुए ब्लास्ट के बाद लोग घबरा कर चारों ओर भाग रहे हैं। मैदान के पीछे घना काला धुआं उठता नजर आ रहा है, जो धमाके की भयावहता को दशार्ता है। स्थानीय पुलिस अधिकारी के अनुसार, घायलों को तुरंत निकटतम जिला अस्पताल भेजा गया है, जहां उनकी हालत को लेकर डॉक्टरों ने सतर्कता बरती हुई है। धमाके के बाद इलाके में भारी पुलिस और सैन्य बलों की तैनाती कर दी गई है ताकि किसी और हमले को रोका जा सके।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विधि शिक्षा की दिशा में पहला मार्गदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में बी.ए.एलएल.बी. प्रथम सेमेस्टर तथा एलएलएम के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के मूट कोर्ट हॉल में आयोजित हुआ। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय की असली पहचान होते हैं। यदि आप अनुशासन, परिश्रम और ईमानदारी को जीवन का हिस्सा बना लें, तो सफलता आपके कदम चूमेगी। उन्होंने विद्यार्थियों को कंडक्ट, पॉज़िटिविटी एवं पंक्चुअलिटी (आचरण, सकारात्मकता एवं समयनिष्ठा) को जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि इंडक्शन कार्यक्रम छात्रों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं व्यावहारिक यात्रा की पहली झलक देता है। यह अवसर है जब विद्यार्थी अपने सपनों को सही दिशा देने का संकल्प लें। विभागाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि विधि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का मार्ग है। हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी ज्ञान, कौशल और नैतिकता तीनों में उत्कृष्ट हों। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग मिश्र ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक मंगला प्रसाद यादव, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. राहुल कुमार राय, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. राजित राम सोनकर, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. राजन तिवारी, डॉ. शुभम सिंह, प्रगति सिंह, जीशान अली सहित अन्य प्राध्यापकगण, लाइब्रेरियन अवधेश कुमार, सुषमा मिश्रा, शैलेश कुमार, सुषमा मिश्रा, संतोष पांडे, छात्र-छात्राएँ एवं गणमान्यजन भी मौजूद रहे।

मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर चित्रा ताई वाघ ने महिला मोर्चा की विशेष बैठक बुलाई

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महाराष्ट्र प्रदेश महिला मोर्चा की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। यह बैठक महाराष्ट्र भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती चित्रा ताई वाघ के नरिमन पॉइंट स्थित कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में आगामी चुनाव में महिला मोर्चा की भूमिका, रणनीति और सक्रिय सहभागिता पर विशेष चर्चा की गई। चित्रा ताई ने स्पष्ट किया कि महिला मोर्चा की भागीदारी चुनावी सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगी, और सभी पदाधिकारियों से पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आग्रह किया।

बैठक में महिला मोर्चा सचिव श्रीमती रंजू जा, रश्मी जाधव, भारती चौधरी, रितू तावडे सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थीं। सभी ने आगामी चुनाव के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य योजना साझा की और संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया। चित्रा ताई वाघ ने सभी को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि महिला कार्यकताओं की ताकत और उनके प्रयासों से पार्टी को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी। बैठक का उद्देश्य महिला मोर्चा को आगामी चुनाव के लिए और अधिक सक्रिय और सशक्त बनाना रहा।

विकास कार्यों के लिए मंत्री नितेश राणे से मिले राजन नाईक

विरार। विरार पश्चिम के नारंगी क्षेत्र में यात्रियों और पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। 27 फरवरी को, वसई तालुका के नारंगी क्षेत्र में शुरू किए गए रो-रो जेटी के पास यात्री सुविधाओं और सड़क सुदृढ़ीकरण की मांग को लेकर राज्य के बंदरगाह मंत्री नितेश राणे से अनुरोध किया गया था। इस संबंध में आज मुंबई स्थित मंत्रालय में नालासोपारा के विधायक राजन नाईक, पूर्व जिल्हा प्रमुख महेंद्र पाटील और भाजपा जिल्हा उपाध्यक्ष कपिल म्हात्रे ने मंत्री नितेश राणे से मुलाकात की। बैठक में मंत्री राणे ने इन विकास कार्यों के लिए बजटीय प्रावधान से धनराशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कार्यों की त्वरित प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

यह निर्णय क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर वसई-विरार भाजपा द्वारा सेवा पखवाड़ाश्का आयोजन

नालासोपारा (पश्चिम)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) से गांधी जयंती (2 अक्टूबर) तक मनाए जा रहे श्सेवा पखवाड़ाश्र कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा वसई-विरार जिला द्वारा विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नालासोपारा पश्चिम मंडल के तत्वावधान में विधायक कार्यालय, बस डिपो के पास एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी सेवा पखवाड़ा कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा मंडल स्तर पर किस प्रकार इन सेवाभावी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न किया जाए, इस पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटील ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सेवा पखवाड़ा की भावना और उसके महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में जनसेवा के कार्यों में सहभाग लें और प्रधानमंत्री के सेवा संकल्प को जमीनी स्तर तक पहुंचाएं।

बैठक में जिला महामंत्री जोगेंद्र प्रसाद चौबे एवं मनोज बारोट, सेवा पखवाड़ा जिला संयोजक दिलीप गायकवाड़, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र पाटिल, देवराज सिंह, उत्तर भारतीय मोर्चा जिला संयोजक प्रदीप पांडे, सहकारिता संयोजक जयप्रकाश वझे, पूर्व वसई विधानसभा अध्यक्ष मनोज पाटिल, सोशल मीडिया संयोजक अभिषेक नाइक सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नालासोपारा पश्चिम मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, सेवा पखवाड़ा मंडल समिति सदस्यगण एवं मंडल के अन्य पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने इस अवसर पर सेवा कार्यों के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई।

पीएनबी ने टीसीआईएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने संचार मंत्रालय के तहत भारत सरकार के एक उपक्रम टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं जिसका उद्देश्य पीएनबी के प्रौद्योगिकी अवसंरचना को मजबूत करने और उसकी तकनीकी परिवर्तन यात्रा को तेज करने के लिए किया गया है। यह सहयोग तेज, अधिक विश्वसनीय और ग्राहक-केंद्रित डिजिटल सेवाओं को सक्षम करेगा। हस्ताक्षर समारोह नई दिल्ली स्थित टीसीआईएल मुख्यालय में विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। पीएनबी का प्रतिनिधित्व महाप्रबंधक मनीष अग्रवाल ने बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किया, जबकि टीसीआईएल प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सीएमडी श्री संजीव कुमार ने किया। इस एमओयू के अंतर्गत, टीसीआईएल आईटी परामर्श, परियोजना प्रबंधन और जटिल तकनीकी पहलों के टर्नकी निष्पादन में विशेषज्ञता प्रदान करेगा। इस सहयोग का उद्देश्य सशक्त, सुरक्षित और नियामक-अनुपालक समाधान प्रदान करना है जो पीएनबी के डिजिटल संरचना को मजबूत करेगा, परिचालन लचीलेपन में सुधार करेगा और ग्राहक सेवाओं में नवाचार का समर्थन देगा।

समर्थन के प्रमुख क्षेत्रों में आरएफपी जीवनचक्र प्रबंधन, प्रणाली एकीकरण, प्रौद्योगिकी अवसंरचना रोलआउट और नियामक-अनुपालक प्रौद्योगिकी का प्रयोग सम्मिलित हैं। आवश्यकताओं के आधार पर, टीसीआईएल परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) या परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) के रूप में काम करेगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि समाधान पीएनबी के प्रौद्योगिकी रोडमैप और ग्राहक प्राथमिकताओं के साथ संरेखित हों।

इस अवसर पर अपने व्याख्यान में, पीएनबी, महाप्रबंधक मनीष अग्रवाल ने कहाः ह्यटीसीआईएल के साथ यह रणनीतिक साझेदारी पीएनबी की आईटी परिवर्तन यात्रा में एक मील का पत्थर है। टीसीआईएल की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, हम आधुनिकीकरण में तेजी लाएंगे, ग्राहक टचप्वाइंट्स को बढ़ाएंगे, और पूरे भारत में सुरक्षित, निर्बाध डिजिटल बैंकिंग सेवाएं प्रदान करेंगे। साथ मिलकर, हम एक लचीला, प्रौद्योगिकी-संचालित और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे हैं।

हिंसा के दौरान नेपाल की जेल से भागे छह कैदियों को बहराइच सीमा पर SSB ने पकड़ा, पूछताछ जारी

बहराइचः नेपाल में हिंसा के दौरान जेल से भागकर भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे छह कैदियों को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बुधवार को बहराइच की रूपईडीहा सीमा पर पकड़ लिया। उनमें से चार को पूछताछ के बाद नेपाल पुलिस के हवाले कर दिया गया है। बाकी दो बंदियों को पहचान साबित ना होने के कारण भारतीय क्षेत्र में रोका गया है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की बहराइच स्थित रूपईडीहा सीमा चौकी के सहायक सेनानायक अभिषेक ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार को नेपाल की बांके जेल से भागकर भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे छह व्यक्तियों को एसएसबी के जवानों ने रोककर पूछताछ की तो मालूम हुआ कि सभी अलग अलग अपराधों में नेपाल की बांके जेल में बंद थे। उन्होंने बताया कि वे हिंसा के दौरान जेल से भागकर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। अभिषेक ने बताया कि इनमें से चार बंदियों की पहचान उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी निवासी शेर सिंह, समीरा सिंह व जस्पाल सिंह तथा बहराइच के रूपईडीहा निवासी अजय कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इन चारों को बुधवार रात नेपाल पुलिस के हवाले कर दिया गया है। दो अन्य कैदी जिन्होंने अपना नाम प्रेम सिंह व यूसुफ बताया है, उनकी पहचान का कोई सबूत नहीं मिल सका है। पहचान की पुष्टि होते ही इन्हें भी नेपाल पुलिस को सौंपा जाएगा। सहायक सेनानायक ने बताया, "नेपाल में अशांति फैलने के बाद से सीमा पर आवागमन बहुत कम है। नेपाल में कर्फ्यू लागू है। सिर्फ बीमार अथवा आपातकालीन परिस्थितियों में अथवा एक दूसरे देश में फंसे हुए नागरिक ही सीमा पार कर आवागमन कर रहे हैं। हम लोग आने जाने वालों को अनावश्यक आवागमन ना करने की सलाह भी दे रहे हैं।